मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 115
गुरुवार, 07 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 06 नवम्बर। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक नई योजना पीएम विद्यालक्ष्मी को मंजूरी दे दी है जो वित्तीय बाधाओं का सामना करने वाले मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ताकि वह गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। योजना के अनुसार, जो कोई भी गुणवत्ता उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेता है, वह ट्यूशन फीस की पूरी राशि और पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से संपार्श्विक मुक्त, गारंटर-मुक्त ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने ट्विटर हैंडल पर उन छात्रों के लिए पीएम विजयलक्ष्मी योजना के विवरण की घोषणा की जो उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेना चाहते हैं लेकिन वित्तीय बाधाओं का सामना करते हैं। कोई भी छात्र जो उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश सुरक्षित करता है, और पात्रता शर्तों के अंतर्गत आता है, वह पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ऋण का लाभ उठा सकता है। यह योजना हर साल 22 लाख से अधिक छात्रों को कवर करेगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्ग के लाखों छात्रों को सशक्त बनाना है।

मंत्री ने कहा कि 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्र 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर 3% ब्याज छूट पाने के पात्र होंगे। उन्होंने आगे बताया कि मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता एनईपी 2020 की एक प्रमुख सिफारिश है। पीएम विद्यालक्ष्मी एनईपी के कार्यान्वयन की दिशा में एक और ठोस कदम है। एनआईआरएफ के आधार पर देश के शीर्ष 860 एचईआई में प्रवेश पाने वाले छात्रों को पीएम विद्यालक्ष्मी के तहत शिक्षा ऋण की सुविधा प्रदान की जाएगी। छात्र एक पारदर्शी, छात्र-अनुकूल और डिजिटल आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकेंगे जो सभी बैंकों के लिए सामान्य होगी।उच्च शिक्षा विभाग के पास एक एकीकृत पोर्टल पीएम-विद्यालक्ष्मी होगा, जिस पर छात्र सभी बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली सरलीकृत आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण के साथ-साथ ब्याज छूट के लिए आवेदन कर सकेंगे। ब्याज छूट का भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से किया जाएगा। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना केंद्र सरकार की एक नई योजना है जो उन मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है जो उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं लेकिन वित्तीय बाधाओं का सामना करते हैं।यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से उपजी एक और महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें सिफारिश की गई है कि सार्वजनिक और निजी दोनों लृएक में विभिन्न उपायों के माध्यम से मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

कोई भी छात्र जो गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेता है, वह ट्यूशन फीस की पूरी राशि और पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से संपार्श्विक-मुक्त, गारंटर-मुक्त ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

एमयूडीए केस में सिद्धारमैया से लोकायुक्त पुलिस ने की 2 घंटे की पूछताछ

कर्नाटक, 06 नवम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बुधवार को एमयूडीए साइट आवंटन मामले में पूछताछ के लिए जारी किए गए समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के सामने पेश हुए। उन्होंने 25 अक्टूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की थी, जिन्हें आरोपी नंबर 2 के रूप में नामित किया गया है। सीएम, जिन्हें लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में आरोपी नंबर 1 के रूप में नामित किया गया है, पर 14 साइटों के आवंटन में अवैधताओं के आरोप का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सिद्धारमैया और अन्य को नोटिस

जारी किया था, जिसमें मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना, जिन्होंने पार्वती, स्वामी, भारत संघ, राज्य सरकार, सीबीआई, लोकायुक्त और अन्य को नोटिस भी जारी किया, ने लोकायुक्त को मामले में अब तक की गई जांच को रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया। अदालत ने अगली सुनवाई 26 नवंबर तय की है।

30 सितंबर को ईडी ने लोकायुक्त की एफआईआर का संज्ञान लेते हुए सीएम और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की और मामले की जांच भी कर रही है। एमयूडीए साइट आवंटन मामले में, यह आरोप लगाया गया है कि सिद्धारमैया की पत्नी को मैसूरु (विजयनगर लेआउट तीसरे और चौथे चरण) में एक महंगे क्षेत्र में 14 प्रतिपूरक साइटें आवंटित की गईं, जिनकी संपत्ति का मूल्य उनकी जमीन के स्थान की तुलना में अधिक था।

एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां इसने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था।

राहुल-खड़गे ने डोनाल्ड ट्रंप को जीत के लिए दी बधाई

नई दिल्ली, 06 नवम्बर। कांग्रेस ने बुधवार को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में अपनी जीत पक्की करने पर डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई दी। इसके साथ ही पार्टी ने चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन पर 2015 के पेरिस समझौते का भविष्य बेहद अस्थिर है और वाशिंगटन द्वारा पहले की तरह इस संधि से पीछे हटना विनाशकारी होगा। जैसे ही ट्रम्प जीत की ओर बढ़ रहे थे, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से, हम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनकी चुनावी जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हैं।

खड़गे ने आगे लिखा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका एक मजबूत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जो लंबे समय से साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, संरेखित हितों और व्यापक लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर आधारित है। हम वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार रहीं कमला हैरिस को भी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, डोनाल्ड ट्रंप, आपकी जीत पर बधाई, अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आपके दूसरे कार्यकाल में सफलता के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, कमला हैरिस को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकमानाएं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दूसरी बार देश के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की जिसे अमेरिकी इतिहास में किसी नेता की सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी कहा जा रहा है।

जातिवाद को खत्म कर समरसता को बढ़ावा देना हैः मोहन भागवत

लखनऊ, 06 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयं संघ प्रमुख ने समरसता, सामाजिक कर्तव्य, स्वालंबन, कुटुंब प्रमोदन के साथ पर्यावरण संरक्षण पर लोगों के बीच जाकर काम करने पर जोर दिया। उन्होंने संघ कार्यकताओं को जातिवाद समाप्त कर लोगों में समरसता बढ़ाने के लिए काम करने को कहा। संघ प्रमुख ने भगवान श्री राम की कर्मस्थली चित्रकूट पहुंचे थे जहां मोहन भागवत महाकौशल प्रांत के संघ चालकों के साथ वर्ग सम्मेलन में पंच तत्व पर काम करने पर मंथन कर रहे थे।

दो दिवसीय प्रवास पर 05 नवंबर को प्रातःकाल धर्मनगरी पहुंचे संघ प्रमुख, दीनदयाल शोध संस्थान के उद्यमिता विद्यापीठ परिसर स्थित लोहिया सभागार में

महाकौशल प्रांत के वर्ग सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में महाकौशल प्रांत के प्रांत, जिला, नगर, खंड संघ चालक मौजूद थे। सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों के बीच जाकर किस तरह पंच तत्व पर काम करना है, उस पर मंथन करने के साथ उन्हें राह दिखाई। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच सामाजिक सद्भाव बनाने के लिए काम करना है, ताकि समाज में विघटन न होने पाए। जातिवाद को समाप्त कर समरसता को बढ़ावा देना है।

संघ प्रमुख ने कहा कि लोगों के बीच बैठकर काम करें, ताकि एक-दूसरे से दूरियां खत्म हो सकें। उन्होंने कहाकि पुरानी परंपराओं को खत्म करना, सभी मानव हैं इसलिए ऊंच-नीच के भाव को समाप्त करने हैं। उन्होंने कहा कि संघ कार्यकर्ता एक-दूसरे के सुख-दुख में बराबर के सहभागी बने और सहयोग करे, वह जहां रह रहे हैं वहां सामंजस्य बनाने का काम करें। संघ प्रमुख ने विदेशी वस्तुओं का परित्याग करने पर जोर दिया। कहा कि लोगों के बीच जाकर अपने देश की बनी वस्तुओं के प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। कार्यकर्ता लोगों में स्वदेशी की भावना जागृत करें, ताकि लोगों मे स्वालंबन का भाव पैदा हो। उन्होंने कहा कि परिवारों के बीच हो रहा विघटन चिंता का विषय है, लोगों के बीच जाकर परिवारों को जोड़ने का काम करना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना बहुत ही जरूरी है, लोगों को बताएं कि प्लास्टिक का उपयोग न करें। अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए लोगों जागरूक करें।

कांग्रेस के जातिवाद पर भारी भाजपा का विकास का एजेंडाः मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर, 06 नवम्बर। राजस्थान में सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी का विकास का एजेंडा कांग्रेस के जातिवाद पर भारी है। अपनी सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दस महीने के छोटे समय में उन्होंने रिकॉर्ड काम किए हैं जिससे कांग्रेस की नींव हिल चुकी है और जनता का उनकी सरकार पर विश्वास मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान शर्मा ने कहा, विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के जातिवाद के एजेंडे पर हमारी सरकार का विकास का एजेंडा भारी है। जिन मुद्दों पर कांग्रेस वर्षों तक राजनीति करती रही, हमारी डबल इंजन सरकार ने उनपर तेजी से काम किया।

संवैधानिक मूल्यों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी : प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल), 06 नवम्बर। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से यूडीएफ गठबंधन की प्रत्याशी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता नरेन्द्र मोदी संविधान के समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रियंका ने दावा किया कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में देश में विभाजन की राजनीति देखने को मिली है जहां सत्तारूढ़ दल ने सत्ता में बने रहने के लिए जनता का ध्यान उनकी वास्तविक समस्याओं से हटाने का प्रयास किया।

मलप्पुरम जिले की वानदूर विधानसभा में चेरूकोडे में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब ऐसे

लोग राजनीति में शक्तिशाली हो जाते हैं तो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं रहता। कांग्रेस नेता ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए अपने पांच दिवसीय प्रचार अभियान के चौथे दिन आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में देश में किसानों या मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए कोई समर्थन प्रणाली नहीं है। उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं और बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करते हैं, लेकिन उन्हें किसानों की तरह ही समर्थन की जरूरत है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वायनाड में मसालों जैसे उच्च गुणवत्ता के कृषि उत्पादों की पैदावार होती है, लेकिन किसानों को खेती में कोई भविष्य नजर नहीं आता और छात्र एवं अन्य लोग बेहतर रोजगार अवसरों तथा उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश चले जाते हैं। उन्होंने पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे विषय भी उठाए। प्रियंका गांधी ने कहा कि वह एक योद्धा हैं और अगर उन्हें मौका मिला तो वह वायनाड के लोगों के लिए संसद और हर दूसरे मंच पर लड़ेंगी ताकि उनके मुद्दों का समाधान निकल सके।

उन्होंने कहा, मैं पीछे नहीं हटूंगी। मैं आपके लिए लड़ूंगी। मैं आपको निराश नहीं करूंगी।

अब हम एक परिवार हैं। प्रियंका चेरूकोडे के अलावा वनदूर विधानसभा क्षेत्र के थुवूर और कालिकावू कस्बों में और निलाम्बुर विधानसभा के पूकोट्टूमपदम में भी नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करेंगी। अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार चुनाव लड़ रहीं प्रियंका गांधी वाद्रा सात नवंबर तक केरल में रहेंगी।

निजी सम्पत्ति अधिग्रहण पर राह दिखाने वाला फैसला

-ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने हर निजी सम्पत्ति पर सरकार कब्जा नहीं कर सकती वाला राह दिखाने वाला फैसला देकर जहां निजी सम्पत्ति धारकों के अधिकारों की रक्षा की है, वहीं अर्थ-व्यवस्था को तीव्र गति देने के धरातल को मजबूत बनाया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने जाहिर किया है कि निजी संपत्ति के भी अपने अधिकार हैं, जिसकी अवहेलना नहीं की जा सकती। अब सरकारों यानी नीति निमार्ताओं को भूमि अधिग्रहण और अन्य निजी संपत्ति अधिग्रहण करने के लिए अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी रूपरेखा बनानी होगी। नया फैसला अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है और आदर्श शासन एवं न्याय व्यवस्था का द्योतक है। यह फैसला केवल इसलिए ऐतिहासिक नहीं है कि यह नौ सदस्यीय संविधान पीठ की ओर से दिया गया, बल्कि इसलिए भी अनूठा है, क्योंकि इसने उस समाजवादी विचार को आईना दिखाया, जिसे सरकारों की रीति-नीति का अनिवार्य अंग बनाने का दबाव रहता था। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन समाजवादी और वामपंथी सोच वालों के लिए भी झटका है, जो यह माहौल बनाने में लगे हुए थे कि देश में गरीबी और असमानता तभी दूर हो सकती है, जब सरकार संपत्ति का पुनर्वितरण करने में सक्षम हो और उसे यह अधिकार मिले कि वह किसी की भी संपत्ति का अधिग्रहण कर सकती है।

ताजा फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाले प्रत्येक संसाधन को केवल इसलिए समुदाय का भौतिक संसाधन नहीं माना जा सकता क्योंकि वह भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। कोर्ट ने कहा कि किसी निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को समुदाय के भौतिक संसाधन के योग्य मानने के पहले उसे कुछ कठोर परीक्षणों को पूरा करना होगा। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) की व्याख्या करते हुए कहा कि अनुच्छेद 39(बी) के तहत आने वाले संसाधन के बारे में जांच कुछ विशेष चीजों पर आधारित होनी चाहिए। इसमें संसाधनों की प्रकृति, विशेषताएं, समुदाय की भलाई पर संसाधन का प्रभाव, संसाधनों की कमी तथा ऐसे संसाधनों के निजी हाथों में केंद्रित होने के परिणाम जैसे कारक हो सकते हैं। इसके लिये पहचान एवं परीक्षण अपेक्षित होगी। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा विकसित पब्लिक ट्रस्ट के सिद्धांत भी उन संसाधनों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं जो समुदाय के भौतिक संसाधन के दायरे में आते हैं। ऐतिहासिक रूप से भारत में भूमि अधिग्रहण अक्सर विवादास्पद रहा है, जिसमें औद्योगिक परियोजनाओं या बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर अधिग्रहण से महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन हुए हैं। सिंगूर और नंदीग्राम जैसे मामलों ने सरकारी अधिग्रहण के खिलाफ भूमि मालिकों और किसानों के प्रतिरोध को उजागर किया। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि निजी संपत्ति का अधिकार एक मानवाधिकार माना जाता है। इसलिये राज्य के लिये किसी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित करने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने 1978 में दिए गए अपने ही फैसले को पलट कर न केवल जनहित की रक्षा की है बल्कि कानून की एक बड़ी कमी को सुधारा है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह इस फैसले पर एकमत थे, वहीं जस्टिस बी.वी नागरत्ना फैसले से आंशिक रूप से सहमत थे जबकि जस्टिस सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई। विद्वान जजों ने निजी संपत्तियों को समुदाय के भौतिक संसाधन मानते हुए राज्य द्वारा कब्जा करके या अधिग्रहण करके सार्वजनिक भलाई के लिए वितरित करने के अधिकार पर रोक लगाते हुए कहा है कि सभी निजी संपत्तियां समुदाय के भौतिक संसाधनों का हिस्सा नहीं बन सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि सरकार एक हद तक ही निजी सम्पत्तियों का अधिग्रहण कर सकती है।

अपने फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से यह भी रेखांकित कर दिया कि आपातकाल के समय संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता के साथ समाजवाद शब्द जोड़कर भारतीय शासन व्यवस्था में समाजवादी तौर-तरीके अपनाने का जो काम किया गया था, वह निरर्थक एवं औचित्यपूर्ण नहीं था। अच्छा हो कि इस निरर्थकता को वे लोग भी समझें, जो संपत्ति के सृजन से अधिक अहमियत उसका पुनर्वितरण करने पर देते हैं। यह देश को समृद्धि की ओर ले जाने का रास्ता नहीं है। हो भी नहीं सकता, क्योंकि दुनिया भर का अनुभव यही बताता है कि जिन देशों ने अपने लोगों की भलाई के नाम पर अतिवादी समाजवादी तौर-तरीके अपनाए, वे आर्थिक रूप से कठिनाइयों से ही घिरे। आज जबकि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से उसे अधिक तीव्र गति मिल सकेगी एवं निजी क्षेत्र के अधिकारों की रक्षा हो सकेगी। अर्थ-व्यवस्था एवं बाजार को तीव्र गति देने के लिये निजी क्षेत्र के अधिकारों की रक्षा करना जरूरी है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय पीठ ने महाराष्ट्र के एक मामले में संविधान पीठ को भेजे गए कानूनी सवालों का जवाब देते हुए यह फैसला सुनाया है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस न्यायालय की भूमिका आर्थिक नीतियां तय करना नहीं है, क्योंकि इसके लिए लोगों ने सरकार को वोट दिया है। लेकिन यदि सभी निजी संपत्तियों को सामुदायिक संसाधन माना जाएगा, तो यह संविधान के मूल सिद्धांतों का हनन है, इसलिये इसे रोकना कानून के दायरे में आता है। उन्होंने यह भी कहा कि 1990 के बाद से अर्थव्यवस्था में बदलाव आया है और अब बाजार उन्मुख आर्थिक मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके लिये राष्ट्रवादी सोच जरूरी है। संविधान पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि जस्टिस अय्यर का दृष्टिकोण समाजवादी थीम पर आधारित था और इससे सहमति नहीं जताई जा सकती। 1977 में कर्नाटक बनाम रंगनाथ रेड्डी मामले में जस्टिस अय्यर ने निजी संपत्तियों को सामुदायिक संसाधन बताया था। 1982 में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने जस्टिस अय्यर के फैसले से सहमति जताई थी। लेकिन अब उन फैसलों की भावना एवं लक्ष्य को बदलते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अधिक उपयुक्त एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया है। यह फैसला सरकारों की इस दिशा में मनमानी को रोकता है। इस तरह निजी संपत्ति संबंधी सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने करीब चार दशक पुराने उस फैसले को खारिज करने का काम किया, जिसमें कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट करने की आवश्यकता भी समझी कि उक्त फैसला एक विशेष आर्थिक और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह भी पता चल रहा है कि देश को किसी विशेष प्रकार के आर्थिक दर्शन के दायरे में रखना ठीक नहीं है और आर्थिक तौर-तरीके ऐसे होने चाहिए, जिनसे एक विकासशील देश के रूप में भारत उभरती चुनौतियों का सामना कर सके। देश का आर्थिक मॉडल बदल चुका है और इसमें निजी क्षेत्र का बहुत महत्व है। सरकार को निजी संपत्तियों का अधिग्रहण करने का पूर्ण अधिकार देना निवेश को निराश करेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निजी संपत्ति के मामले में अब इसे लेकर कोई संशय नहीं रहेगा कि क्या समुदाय का संसाधन है और क्या नहीं? कोई भी देश हो, उसे अपना आर्थिक दर्शन देश, काल और परिस्थितियों के हिसाब से अपनाना चाहिए, न कि इस हिसाब से कि पुरानी परिपाटी क्या कहती है? समय के साथ बदलाव ही प्रगति का आधार है। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने इस आधार को मजबूती प्रदान की। सुप्रीम कोर्ट के इस दूरगामी प्रभाव वाले फैसले ने जहां सरकार के निजी संपत्तियों पर अधिकार की सीमा रेखा खींची है, वहीं उस वर्ग की सोच को भी झटका दिया है जो कहते हैं कि सभी संपत्तियों का सर्वे करके उन्हें बराबरी से वितरित किया जाएगा। यह फैसला कहीं न कहीं निजी संपत्ति पर व्यक्ति के अधिकार पर मुहर लगाता है, वहीं राष्ट्रहित की सोच एवं भावना को भी पोषित करता है।

नर्मदा को अपने कमण्डल में भरने वाले योगी-देवदूत आदिशंकराचार्य

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

आदिशंकराचार्य जी के विषय में कुछ भी लिखना मुझ जैसे व्यक्ति के लिये वही बात होगी जैसे कोई सूरज को दीपक दिखाये किन्तु सागर को अंजुली में भरने का यह अपराध मैं कर रहा हूँ ताकि आप तक उनका सूक्ष्मतम शब्दों में परिचय करा सकूँ। भारत वर्ष के केरल प्रान्त में प्रवाहित पूर्णा नदी के तट पर बसे ग्राम कलाड़ी में शिवगुरू भट्ट के घर 780 ई. में एक बालक का जन्म हुआ। उनकी माँ आर्यम्बा जिन्हें सुभद्रा के नाम से भी जाना जाता है, वृद्धावस्था में भगवान शिव की कृपा मानकर अपने बेटे का नाम शंकर रखा। एक वर्ष की अवस्था में बालक शंकर ने धाराप्रवाह बोलना शुरू कर दिया एवं तीन वर्ष की अवस्था में उसकी स्मृरणशक्ति विलक्षण हो गयी और वह जो कुछ भी सुनता उसे अक्षरशः दुहरा देता। उसे अनेक काव्यों और पुराणों के श्लोक कण्ठस्थ हो गये तब पिता ने उनका अक्षरभाष्य संस्कार संपन्न कराया। किन्तु अक्षरभाष्य संस्कार कराने के कुछ दिन बाद ही उनके पिता का निधन हो गया। माता ने अपने पुत्र के अन्दर देदीप्यमान गुणों को पाकर पाँचवे वर्ष में उन्हें गुरुकुल भेजकर इनका यज्ञोपवीत संस्कार सपन्न कराया।

गुरुकुल पहुँचते ही पाँचवे वर्ष के कुछ माहों में ही बालक शंकर को चारों वेदों और उनकी शाखाओं का अद्भुत ज्ञान हो गया तब उन्होंने प्रथम बार छह वर्ष की अवस्था में ही ब्रह्मबालबोधि-संग्रह लिखा जिससे उनके सहपाठी संस्कृतग्रंथों की समुचित व्याख्या कर सके। सातवे वर्ष में बालक शंकर वेदों शास्त्रों में निष्णात हो गये और उनकी स्मरणशक्ति इतनी इतनी तीव्र थी कि वे किसी भी पुराण-शास्त्र एवं वेदों की ऋचाओं का कहीं से भी किसी भी पंक्ति का, किसी भी श्लोक आदि का प्रगटन ऐसे करने लगे जैसे वे उनके सम्मुख हो, उनकी इस प्रतिभा ने उन्हें वाद-विवाद में अपने विरोधियों का मुँह पर ताले लगा दिये ओर वे वापिस पूर्ण विद्याध्ययन कर सम्पूर्ण ज्ञानसागर समेटे अपने घर लौट आये।

वे सच्चे अर्थों में पितृ-मातृ भक्त थे जब तीन वर्ष की आयु में पिता का देहान्त हुआ तब तक वे जीवनदर्शन में प्रत्येक सम्बन्धों का दायित्व एवं कर्तव्य बोध को समझते हुये पिता की मृत्यु पर काफी मर्माहत थे। वे पिता के बाद माँ को अपना परमगुरू मानते थे और उन्हें असंतुष्ट करके कोई भी धर्मकार्य को स्वीकार्य नहीं मानते थे इसलिये जब वे 8 साल वर्ष की अवस्था में गुरुकुल से पारंगत होकर आये तो माँ से कहा मैं सन्यास लेना चाहता हूँ, माँ बुढ़ापे का सहारा यूं ही खोना नहीं चाहती थी और उसके एक ही संतान थी इसलिये वे उसे अपनी आँखों से दूर नहीं करना चाहती थी। माता ने अनुमति नहीं दी, एक वर्ष व्यतीत हो गया पर वे पूर्ण सन्यासी हो गये थे इसलिये सन्यासी का स्वगृह-प्रत्यावर्तन करना शास्त्रविरूद्ध मानकर घर का परित्याग नहीं किया।

एक दिन की घटना है माँ और बेटे पूर्वा नदी पर स्नान करने गये। आर्याम्बा उन्हें तटपर बैठकर निहार रही थी कि तब नदी के जल से आये एक मगरमच्छ ने शंकराचार्या का पैर पकड़ लिया तब बालक शंकर ने चिल्लाना शुरू कर दिया, बालक के पैर पकड़कर मगर उन्हें गहरे पानी में ले जा रहा था, वे डूब रहे थे और माँ असहाय होकर रो रही थी। बालक शंकर ने अपनी माँ से कहा माँ मुझे सन्यास लेने की आज्ञा दो, नही तो ये मगरमच्छ मुझे खा जायेगी। सूर्य किसी झोपड़ी में बंदी नहीं किया जा सकता इसलिये जगत में व्याप्त अधर्म के अंधकार और विधर्मियों का मार्ग प्रशस्त करने के लिय चिंतातुर बालक शंकर के भी यही हाल थे और वे मगरमच्छ द्वारा पैर पकड़कर उन्हें नदी में खींचे जाने के अवसर पर शांत थे, स्थिर थे, माँ ने देख लिया कि मगर उनके बेटे के प्राण लेने को तैयार है और बेटा सन्यास लेने की बात कर रहा है। माँ आर्याम्बा ने पुत्र के विपदा में फंसे होने पर उसके प्राणों की रक्षा के लिये उससे मोह त्याग कर कहा बेटा मैं तुझे सन्यास लेने की आज्ञा देती हूँ किन्तु एक शर्त है तू मेरी मृत्यु के समय आ जाना और मेरी अन्त्येष्टि करना। पुत्र के जीवन को मगरमच्छ से बचाने के लिये माँ की आज्ञा मिलते ही आश्चर्य की बात हुई कि तुरन्त मगरमच्छ ने बालक शंकर का पैर छोड़ दिया। नदी से बाहर निकलकर बालक शंकर ने अपनी कॉ को दण्डवत प्रणाम किया और प्रतिज्ञा की कि वह अंतिम दिनों में माँ की सेवा में उपस्थित रहेंगे, शंकर ने माँ को वचन दिया और निभाया भी।

सन्यास लेने के बाद सन्यासी का धर्म अपने परिवार से नाता-रिश्ता त्यागना होता है। जब वे श्रृंगेरी आश्रम से वातापि आश्रम गये तब तेलंगाना के इस आश्रम में नियमों को कठोरता से पालन किया जाता था और किसी भी सगे-संबंधी से सम्पर्क की मनाही थी। सन्यास के बाद सन्यासी का कोई भी सगा-सम्बन्धी नही होता, सब नाते-रिष्ते सन्यासी के लिये मायने नहीं रखते, क्योंकि उसे तब सिवाय अपने धर्मपालन के किसी ओर से मोह-ममता का सम्बन्ध पूर्णतया विच्छेद हो जाता है।शंकराचार्य की पदवी मिलने तथा चारों मठों की स्थापना करने के बाद उनका धर्मप्रचार और दिग्विजय कार्य सम्पन्न हो गया। वे बदरीकाश्रम में बदरीमठ में थे, उन्हें अपनी माँ के रोगग्रस्त होने व रोगषैया पर होने की सूचना मिली। चूँकि वे योग से अपनी माँ के अन्तिम समय को देख चुके थे इसलिये वे वहां से माँ के पास रवाना हुये और माँ के मिले, मिलने के पष्चात माँ ने अपने प्राण त्याग दिये। उन्होंने माँ की अंत्येष्टि की तैयारी की, तब के समाजजनों ने एक सन्यासी का सन्यास के नियमों को त्यागकर परिवार के प्रति मोह रख अपनी माँ की अंत्येष्टि करने को शास्त्र विरूद्ध ठहराकर विरोध किया। शास्त्र की मयार्दा तोड़ने का हवाला देकर लोगों न शवयात्रा में शामिल होने से इंकार कर दिया। आचार्य शंकराचार्य ने अपनी माँ के शव को अपने कन्धे पर रखकर श्मशान तक पहुँचाकर उनकी चिता सजाई और उसपर माँ को लिटाकर विधिविधान से मुखाग्नि दी। यह घटना शंकराचार्य के क्रान्तिकारी स्वरूप को प्रकट करती है और संदेश देती है कि जब परम्परायें बाधक बनने लगे तो उन्हें छोड़ देना चाहिये। मनमानी के लिये किये गया त्याग न तो प्रगतिशीलता की निशानी है और न ही उपयोगी है। आठ वर्षीय बालक शंकर की मातृभक्ति की चर्मोत्कृष्टता एवं परम आदर्श का यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने गृह त्याग से पूर्व जगत को यह शिक्षा दी कि माता-पिता परम देवता है,उनको संतुष्ट करके ही तृप्ति पायी जा सकती है,पर वे अपने विषय में यह जान चुके थे कि उनको मिली तृप्ति से वे स्वयं संतुष्ट नहीं थे, किन्तु उनकी गुरूभक्ति और साधना की दिव्य अलौकिता पूर्णावस्था में रूपान्तरित होने को उसी प्रकार तत्पर थी जैसे शिव के मस्तक से धरा को पावन करने के लिये गंगा व्याकुल थी। बालक शंकर मात्र 8 वर्ष की आयु में माँ की अनुमति से घर से निकल तो गये लेकिन वे वहां से भयाभय नदियों को पार करते रास्तों की चुनौतियों का सामना करते, प्राकृतिक अवराधों पर विजय प्राप्त कर घने जंगलों को पार करके पश्चिम के चालुक्यों के क्षेत्र से गुजरे। उन्होंने गोदावरी को पार कर दण्डकारण्य की यात्रा की, यह वही मार्ग था जिसपर श्रीराम होकर गुजरे थे। वे जब दण्डकारण्य के मार्ग पर होकर निकले तब उन्हें मार्ग में इन्द्रावती ओर महानदी पर भी विश्राम करने का अवसर मिला तभी शंकरभाष्यों में महानदी को तीर्थ सम्बोधित किया गया। महानदी को पार कर वे अमरकण्टक आये जहाँ नर्मदा के उदगम स्थल से उन्होंने नर्मदा की परिक्रमा शुरू की और ओंकारंश्वर जाकर वे वहां गुरू गोविन्दपादाचार्य के आश्रम की और चल पड़े। ओंकारेश्वर तक आते-आते बालक शंकर की आयु 12 वर्ष हो गयी थी और 792 ई. में बसंतपंचमी के दिन वे तलाशते हुये गोविन्दपादाचार्य के आश्रम स्थित उनकी गुफा द्वार पर पहुँचे और उन्हें दण्ड़वत प्रणाम कर उनकी स्तुति गाकर प्रार्थना की। गुरू उस समय तपस्यालीन थे उन्होंने आँखें खोलकर संस्कृत में की गयी उनकी प्रार्थना एवं स्तुति सुनकर प्रसन्नता व्यक्त कर हर्षोन्माद से शंकर से कहा अच्छा तुम वहीं केलाशपर्वत वासी शंकर हो। उन्हें शंकर के समूचे व्यक्तित्व एवं गहन अध्ययन से पूर्णवेत्ता के मर्म को समझ लिया और उनके मुखमुण्डल पर ज्ञान के प्रकाश को देखकर उनकी विनम्रता पर उन्हें अपना शिष्य बना लिया।

मध्यप्रदेश की धरती पर बालक शंकर ने शुकदेवस्वरूप गुरू गोविन्दपादाचार्य से सन्यास की दीक्षा लेकर वेदव्यास के वेदान्तसूत्र की शिक्षा ग्रहण की और शिष्य शंकर अपनी जिज्ञासाओं को गुरू के समक्ष रखते गये और गरूजी सबका समाधान करते गये, इस प्रकार चार वर्षो में बालक शंकर को गोविन्दपादाचार्य जी ने परमहस की स्थिति तक पहुँचाकर जगतगुरू बना दिया। यहाँ यह रहस्य उद्घाटित करना आवश्यक हो गया है कि नर्मदा के तट पर ओंकारेश्वर में गोविन्दपादाचार्य जिस गुफा में निवास कर रहे थे उस गुफा में प्रवेश वर्जित था लेकिन शंकर ऐसे भाग्यशाली शिष्य रहे जो उस गुफा में प्रवेश कर सके। सोलह वर्ष की अवस्था में गुरू का आश्रम छोड़ने से पूर्व शंकर ने लेखन कार्य जारी रखते हुये अपने भाष्यों में वेदों में प्रतिपादित सिद्धान्तों का ही अनुसरण किया।

ओंकारेश्वर में जगदुरू बने शंकर-नर्मदा की यह पुण्यभूमि ओकारेश्वर, एक 14 साल के बालक शंकर को जगदगरू से विभूषित करने वाली पावन भूमि बन गयी जहॉ बालक शंकर आदिगुरू शंकराचार्य हो गये। शंकराचार्य जी ने मध्यप्रदेश की इस पावन भूमि ओंकारश्वर में बादरायण के ब्रम्हसूत्रों, उपनिषदां तथा श्रीमदभागवतगीता पर भाष्य लिखा एवं अद्वेत-सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। जगदुरू आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदान्त को ठोस आधार प्रदान कर सनातन धर्म की विविध विचारधाराओं का एकीकरण किया और चारों वेदों, सभी उपनिषदों, ब्रम्हसूत्रों और वेदांतसूत्रों पर अनेक टीकायें लिखी तथा शंकरभाष्यों में जगदगुरू कभी भी चातुर्वण्य व्यवस्था के पक्ष में नहीं थे।

आपके द्वारा 12 भाष्यों मं ईशावास्योपनिषद में 9 उदधरण, केनोपनिषद में 52 उदधरण, कठोपनिषद में 14 उदधरण, प्रश्नोपनिषद में 15 उदधरण, मुण्डकोपनिषद में 13 उदधरण, मांडूक्यापनिषद में 144 उदधरण, ऐतरेयोपनिषद व तैत्तिरीयोपनिषद मं 58 उदहरण, बृहदारण्यक और छान्दोग्योपनिषद् में 264 उदधरण, गीता में 117 उदधरण तथा ब्रम्हसूत्र में 1870 उदधरण किये गये। नर्मदा के तट पर भाष्य लेखन मं जगदगुरू शंकराचार्य ने अपने जिस बहुश्रुत होने का परिचय दिया, उससे आज भी सम्पूर्ण विश्व अचंभित है कि इतने सारे ग्रन्थ एक साथ एक व्यक्ति को कैसे कंठस्थ थी। शंकराचार्य जी के समय 57 स्मृतियॉ प्रचलन में थी जिसमें उन्होंने मनुस्मृति को आधार मान शेष स्मृतियों को छोड़ दिया ताकि वे अन्य स्मृतियों में निहित कुतर्को से संतुष्ट न होने से इनका उदधरण नहीं कर सके। वहीं उनके समय पर 18 पुराण थे लेकिन उन्होंने मात्र विष्णुपराण को ही उदधरण किया वहीं इतिहास ग्रन्थों में महाभारत तो उदधरण की किन्तु उनके 14 पर्वो को छोड़ दिया इसी प्रकार उनके समय में रामायण का कहीं उल्लेख नहीं आया। उनके भाष्यों मं केवल कृष्ण अवतार का उल्लेख है शेष किसी भी अन्य अवतार का उल्लेख उनके किसी भी भाष्य में नहीं किया गया। जब बालक शंकर ने नर्मदा को कमण्डल में भरा और नर्मदाष्टक रचा- गुरूआश्रम में जगदगुरू शंकराचार्य के चार वर्ष पूर्ण हो गये थे जिसमें उन्हांने गुरू के मार्गदर्शन में अपना समूचा लेखन पूरा कर लिया। तभी वषार्काल प्रारभ हो गया और पॉच दिनां तक इतनी मूसलाधार वर्षा हुई कि समूचा ओंकारेश्वर नर्मदा की बाढ़ की चपेट में आ गया। तबाही से अनेक गॉव जलमग्न होने लगे, कई गॉव बह गये जिससे चारों ओर नर्मदा बाढ़ से जनता में आतंक छा गया। तब इसकी चीखपुकार जगदगुरू शंकराचार्य के कानों तक पहुँची तब उन्होंने माँ नर्मदा से अपनी वेदना सुनाकर नर्मदाष्टक की रचना की। किन्तु नर्मदा का प्रबलवेग षांत होने को नहीं था और जल की भयाभय स्थिति को देखते हुये उन्होंने अपनी यौगिक शक्ति से नर्मदा जल को अपने कमण्डल में भर लिया।

माधवाचार्य (शंकरदिग्विजय महाकाव्य) में उक्त उल्लेख इस प्रकार किया गया है-वषार्काल में गोविन्दपादचार्य जी अपनी गुफा में तपस्या में समाधिनिष्ठ थे, तभी नर्मदा में बाढ़ आ गयी। जगदगुरू शंकराचार्य ने परिस्थिति की भयावहता एवं जनमानस के कष्टों की वेदना को समझ नर्मदा के बढ़े हुये जल को अपने कमण्डल में समाहित कर गुरू की समाधि में निर्विघ्नता प्रदान की। गुरू गोविन्दपादाचार्य अपने शिष्य के उक्त अलौकिक चमत्कार से परिचित हो प्रसन्न हुये कि शंकराचार्य योगी हो गया है। उन्होंने शंकराचार्य को बुलाया तब वर्षा थम चुकी थी और नर्मदा बाढ़ का प्रकोप समाप्त हो चुका था, लेकिन तब आकाश में घने काले बादलों ने डेरा डाला था। उन्होंने कहा आकाश में बादलों को देखां वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर विचरण कर रहे है, सन्यासी को भी इसी तरह एक स्थान से दूसरे स्थान पर विचरण करना चाहिये। वर्षाऋतु समाप्त होने और चातुर्मास्य समाप्त होने पर गुरू की आज्ञा पाकर जगदगुरू शंकराचार्य ने ओंकारेश्वर से विदा होकर विश्वनाथ काशी से अपनी दिग्विजययात्रा की ओर कदम बढ़ाया।

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के

-प्रियंका सौरभ

मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत, मादक पदार्थों की लत की तरह, डोपामाइन के स्तर में वृद्धि पैदा करने के लिए जानी जाती है। स्क्रीन पर जितना ज्यादा समय बिताएंगे, बच्चे के डिजिटल डिवाइस से जुड़ने का जोखिम उतना ही ज्यादा होगा। छोटे बच्चों में स्क्रीन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। स्कूल मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगा रहे हैं। बच्चों में स्क्रीन की लत क्यों होती है और स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता इस आदत को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने के लिए क्या कर सकते हैं। यह समय की मांग है कि समाज और नीतिगत हस्तक्षेप समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए स्क्रीन की लत की चुनौतियों का समाधान करें?

-प्रियंका सौरभ

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40% की कमी को दशार्या गया है।

स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15% की वृद्धि पाई। तेज गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60% बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम गलतफहमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है।

माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफारिश की है।

कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। हल्ठड दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए ₹स्क्रीन-फ्री डेज₹ शुरू किए हैं।

स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निमार्ताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है। सीमाएँ निर्धारित करना अल्पावधि में कठिन लग सकता है लेकिन दीर्घावधि में यह बहुत लाभदायक होगा।

शांति विरोधी उत्तर कोरिया, लगातार मिसाइल परीक्षण

संजीव ठाकुर

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने को ही हैं अमेरिका में चुनाव के दौरान ईरान तथा इजरायल विरोधी ताकते अमेरिका पर हमले की लगातार धमकियां दे रहे हैं इन परिस्थितियों में वैश्विक शांति का माहौल डगमगाया हुआ है। ताजा खबरों के अनुसार अमेरिका को दक्षिण कोरिया की मदद करने के कारण उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि वह अपने विरोधियों को किसी भी तरह बक्सेगा नहीं।।उत्तर कोरिया में 2011 के बाद किम जोंग उन ने अपने को तानाशाह घोषित कर दिया है। वह किम जोंग इल तानाशाह का बेटा है जो 2011 से पहले सनकी तानाशाह थे। विगत दिनों रूस के समकक्ष राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर गुप्त मिसाइल समझौते करके और खतरनाक हो गया है ।अब उत्तर कोरिया रूस की यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में मदद भी करने वाला है रस से मिसाइल समझौते करने के बाद उसने कई मिसाइल परीक्षण भी किएं है, इधर यूक्रेन के बाद युद्ध के लिए शास्त्रों की कमी हो चुकी है नाटो और अमेरिकी मदद के बावजूद यूक्रेन आर्थिक संकट में है, परिणाम स्वरूप अमेरिका तथा नाटो देश की नींद उड़ चुकी है। पिछले कई वर्षों से एशिया का सबसे विवादास्पद राष्ट्र उत्तर कोरिया रहा है। यह देश विवादों में इसलिए भी रहा है कि इसमें लगातार पिछले एक दशक से परमाणु परीक्षण कर अमेरिका तथा यूरोप के देशों की नींद उड़ा कर रखी है,पूरे विश्व में उत्तर कोरिया के किम जोंग को एक तानाशाह प्रशासक के रूप है जाना जाने लगा है,किंम जोंग की गिनती विश्व में क्रूर तानाशाह की मानी जाती है, यूरोप तथा अधिकांश एशियाई देशों के मीडिया ने किंग जॉन को एक खतरनाक तथा विश्व की शांति के खतरे के रूप में निरूपित किया है। वह अमेरिका तथा यूरोपीय देशों का घनघोर विरोधी तानाशाह है और अपने देश में सिर्फ कोरियाई भाषा को ही पढ़ने लिखने और बोलने की भाषा के रूप स्वतंत्रता प्रदान की है। दिसंबर 2011 को उसने अपने आप को उत्तर कोरिया का सर्वोच्च तानाशाह घोषित कर दिया था। उत्तर कोरिया में मीडिया इंटरनेट पर वीडियो पर इसी तानाशाह का पूरी तरह नियंत्रण है। वैश्विक स्तर पर तानाशाहों की गिनती में चीन के शी जिनपिंग, रूस के व्लादिमीर पुतिन और उसके बाद किम जोंग का तीसरा नंबर है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो कोरिया बहुत सालों तक चीन का हिस्सा रहा है फिर उन्नीस सौ चार तथा पांच में रूस जापान युद्ध के बाद यह जापान का एक सुरक्षित क्षेत्र बन गया था। 1910 के बाद जापान ने से अपना अंग बना लिया था। 1945 के विश्वयुद्ध के बाद जब जापान ने आत्मसमर्पण किया था तब कोरिया को स्वतंत्र राष्ट्र बना कर उसे दो भागों में विभक्त कर दिया गया। उत्तर दक्षिण कोरिया, 1948 में दक्षिण भाग में कोरिया गणतंत्र और उत्तरी कोरिया में कोरियन पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की स्थापना की गई। 1953 में इसका विभाजन विधिवत रूप मे उत्तर उत्तर अक्षांश की विभाजन रेखा से उत्तर तथा दक्षिण कोरिया बनाया गया। भारत की तरह यह भी कृषि प्रधान राज्य है। यहां पर शिक्षा और स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की सेवाएं पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में रखी गई है। दक्षिण कोरिया में खाद्य पदार्थों में अनुदान दिया जाता है तथा शिक्षा स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाएं नागरिकों को निशुल्क प्रदान की जाती है।इसके बावजूद भी वहां कुपोषण की दर 30% से बहुत अधिक है। उत्तर कोरिया एसा देश है जहां इंटरनेट, मीडिया,1 रेडियो तथा संचार माध्यमों पर इस तानाशाह का पूरी तरह नियंत्रण है, इंटरनेट भी बहुत ही गिने चुने लोग कोरियाई भाषा में इस्तेमाल कर पाते हैं। नागरिकों को एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश तथा देश के बाहर जाने की अनुमति नहीं होती है। इसके लिए विशेष अनुमति लेना अनिवार्य होती है। किम जोंग इतना खतरनाक तानाशाह है कि उसने अपने कई सगे रिश्तेदारों की सरेआम छोटे-छोटे कारणों के कारण हत्या करवा दी, इसने अपनी ही सरकार के कई मंत्रियों तथा पदाधिकारियों की हत्या करवा कर तानाशाही का बहुत क्रूर उदाहरण प्रस्तुत किया है ताकि जनता में उसका भय सदैव बना रहे। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग को ईश्वर पर विश्वास नहीं है वह नास्तिक है एवं राज्य को भी नास्तिक वादी बना कर रखा है। इस देश में किसी भी धर्म या जाति या ईश्वर को मानने की किसी तरह की आजादी भी नहीं दी गई है। धर्म का पालन करने वाले को बड़ी बुरी तरह से दंडित किया जाता है। तानाशाह किम जोंग के अनुसार वही जनता का ईश्वर है और वह देश की सर्वोच्च सत्ता का मालिक है। यह बहुत अचरज वाली बात है कि उत्तर कोरिया का समाज शासकीय नियंत्रण वाला समाज है। यहां किसी भी व्यक्ति को कोई भी व्यक्तिगत आजादी का कोई हक नहीं दिया गया है। इस तानाशाह ने अपने आप को भगवान घोषित कर जनता को भी मजबूर कर दिया है कि उसे ईश्वर माना जाए। यह कतई विश्वास करने वाला सत्य नहीं है कि इस युग में भी ऐसा देश है जहां जनता पर इतनी व्यक्तिगत पाबंदियां लगाई गई है। उत्तर कोरिया में मानव अधिकार हनन, निजी स्वतंत्रता को चुनौती एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कानूनी चुनौतियां जैसा कोई शब्द ही नहीं है तानाशाही के नीचे सारे कानून, कायदे और नियम दफन होकर रह गए हैं।

उत्तर कोरिया विश्व शांति के लिए इसलिए भी बहुत ज्यादा खतरनाक हैं कि इसने लगातार 2006, 2009, 2013 में भूमिगत परमाणु परीक्षण किए और किम जोंग के दावे के अनुसार उसने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल जो लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलें होती हैं का भी सफल परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया और अमेरिका के संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिका और यूरोपीय देश उत्तर कोरिया द्वारा किए गए भूमिगत परमाणु परीक्षण तथा इंटरनेशनल बैलेस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण को मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा मानते हैं, और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग की मानसिक स्थिति देखते हुए यह परमाणु हथियार किसी भी देश के लिए खतरा बन सकते हैं क्योंकि वह न तो संयुक्त राष्ट्र संघ परिषद की परवाह करता है और ना ही किसी देश के शासक प्रशासक का आदेश ही मानता है। अमेरिका के जितने भी राष्ट्रपति रहे हैं किम जोंग उन से सीधा टकराने की इच्छा रखता रहा है, और यही कारण है कि यूरोपीय देश तथा अमेरिका ,ब्रिटेन हमेशा उत्तर कोरिया के इस पागल प्रशासक को अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए एक बड़ा खतरा मानते है। उत्तर कोरिया के इस तानाशाह की तुलना में शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिनसे की गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्व में सदैव शांत रहने वाले और किसी समस्या का बातचीत से एवं कूटनीति से हल निकालने का प्रयास करने वाली माने जाते हैं। पर व्लादीमीर पुतिन ने भी यूक्रेन पर हमला करके अपनी तानाशाही का सबूत पूरे विश्व के सामने रख दिया है। यूक्रेन के बाद चीन और ताइवान के संघर्ष के शुरूआत होने की संभावना दिखाई दे रही है। इस तरह यह तीनों तानाशाह आज की स्थिति में बेलगाम हो चुके हैं क्योंकि रूस, चीन, उत्तर कोरिया तीनों परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र हैं और अमेरिका के लिए हमेशा खतरे की घंटी बने रहते हैं। अमेरिका,नेटो तथा यूरोपीय देशों की लाख धमकियों के बावजूद पुतिन ने यूक्रेन पर सीधा आक्रमण कर ने दिखा दिया कि अमेरिका अब कमजोर पड़ चुका है और रूस उसकी परवाह नहीं करता है। अब वह महाशक्ति भी नहीं रहा। अफगानिस्तान में भी अमेरिका को अपने सैनिकों को मजबूरी में वापस बुलाना पड़ा, इस तरह अमेरिका की स्थिति इन तीनों देशों के सामने काफी कमजोर साबित हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी शरद पवार और अजित पवार की एनसीपी को नसीहत, कोर्ट में समय बर्बाद करने के बजाए वोट मांगें

मुंबई। एनसीपी चुनाव चिन्ह विवाद में ताजा घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी के अजित पवार गुट को 36 घंटे के भीतर अखबारों में, खासकर मराठी भाषा में एक डिस्क्लेमर जारी करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी से यह उल्लेख करने को कहा कि राकांपा के घड़ी चुनाव चिह्न के आवंटन का मामला अदालत में विचाराधीन है। इस बीच, अदालत ने दोनों गुटों से यह भी कहा कि वे अदालत में समय बर्बाद न करें बल्कि मतदाताओं को लुभाने के लिए जमीन पर उतरें। अदालत ने अजित पवार गुट को अनुपालन रिपोर्ट का हलफनामा दाखिल करने को कहा और अगली सुनवाई बुधवार 13 नवंबर को तय की।

अजित पवार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने अंडरटेकिंग दाखिल की है कि वे कोर्ट के पिछले आदेशों का पालन कर रहे हैं. वकील ने कहा कि हमने इसकी तस्वीरें भी दाखिल की हैं। इन सबके बावजूद, हमने नए उपक्रमों के साथ अखबारों में विज्ञापन दिया है। कोर्ट ने डिस्क्लेमर में देरी पर अजित पवार गुट को फटकार लगाई। कोर्ट ने अजित पवार के गुट से पूछा कि अखबार में डिस्क्लेमर प्रकाशित करने में इतना समय क्यों लग रहा है.

इस पर अजित पवार के वकील ने दलील दी कि शरद पवार गुट ने कोर्ट में गलत बयान दिया है और कोर्ट के आदेश का पालन न करने की एक भी घटना नहीं हुई है। शरद पवार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अजित पवार के गुट ने वीडियो हटा दिए हैं. लेकिन जमीनी स्तर पर अजित पवार से जुड़े लोग शरद पवार के वीडियो दिखा रहे हैं, जिसमें एक घड़ी लगी हुई है.

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की पहल

मुंबई। देश भर के रिटेल विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की मतदाता जागरूकता पहल का समर्थन करने के लिए आगे कदम बढ़ाए हैं। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव 20 नवंबर, 2024 से शुरू हो रहे हैं। आरएआई ने अपने सदस्यों को आग्रह किया है कि वे मतदान के महत्व को बढ़ावा दें और नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। भारत में रिटेल विक्रेताओं की एकीकृत आवाज के रूप में आरएआई आधुनिक रिटेल उद्योग के विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देश भर में लगभग 600,000 स्टोर चलाने वाले 13,000 से अधिक रिटेल विक्रेता आरएआई के सदस्य हैं। इन सदस्यों के साथ-साथ, व्यापक आर्थिक वातावरण में भी योगदान देने वाली प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए आरएआई प्रतिबद्ध है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने मतदाता जागरूकता पहल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, आरएआई में, हम मानते हैं कि हमारी भूमिका रिटेल क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। अपने सदस्यों के बीच नागरिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने और कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच जागरूकता फैलाने में मदद करना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसीलिए हम ज्यादा से ज्यादा जागरूकता पैदा करना चाहते हैं। मतदान केवल एक अधिकार नहीं है; यह हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाकर, हम अपने समाज की नींव को मजबूत करना चाहते हैं। मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बीएमसी सक्रिय रूप से प्रयासशील है और हम उनके प्रयासों की सराहना करते हैं।

जोर-शोर से शुरू हुआ महा युति उम्मीदवार संजय केलकर का चुनाव प्रचार

ठाणे। ठाणे शहर विधानसभा सीट से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजय केलकर का जोर-शोर से जारी है. उक्त अवसर पर शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के, भाजपा के पूर्व सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे, ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले के मुख्य उपस्थिति में प्रचार रैली का आयोजन किया गया।

इस रैली में सुभाष काले, रमेश आंब्रे, स्नेहा आंब्रे, स्नेहा पाटिल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.प्रचार रैली की शुरूआत निहारीका सोसायटी के मेन गेट से हुई. उसके पश्चात आशर एज, वसुंधरा सोसायटी, वसंत विहार सर्कल से आगे, लोकउपवन फेज १, लोकपुरम सोसायटी, धर्मवीर नगर नाका, तुळशीधाम, हिरानंदानी मेडोज, इडन वूड कॉम्प्लेक्स, गार्डन इस्टेट, हिला गार्डन, कोकणीपाडा, कल्पतरु हिल्स, सुभाषचंद्र बोस चौक मार्ग, अॅक्मे ओझोन, दोस्ती एम्पिरीया, बिकानेर स्विट मार्टकडून डावीकडे, सोहम गार्डन, शुभारंभ कॉम्प्लेक्स, हॅप्पी व्हॅली, कृष्णा नगर नाका, हिल क्रिस्ट, मुल्ला बाग, सत्यशंकर कॉम्प्लेक्स, निळकंठ ग्रीन, निलकंठ वुड्स, कॉसमॉस लॉज और गौरव स्वीट के पास जाकर रैली का समापन हुआ.इस प्रचार रैली में संजय केलकर जहां-जहां जाते थे, वहां उनका न सिर्फ भव्य स्वागत किया जाता बल्कि लोगों द्वारा समर्थन भी दर्शाया जाता.

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने 'बजाज फिन्सर्व कंजम्पशन फंड' लॉन्च किया

मुंबई/पटना। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने उपभोग थीम के अंतर्गत एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम, बजाज फिन्सर्व कंजम्पशन फंड शुरू करने की घोषणा की है। यह फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 8 नवंबर को खुलेगा और इसकी न्यू फंड ऑफर अवधि 22 नवंबर 2024 को समाप्त होगी। बजाज फिन्सर्व कंजम्प्शन फंड एक टू-टू-लेबल फंड है जो रणनीतिक रूप से उन क्षेत्रों में निवेश करेगा जो उभरते हुए खपत मेगाट्रेंड के साथ बढ़ रहे हैं। ये मेगाट्रेंड्स भारत भर में खपत की आदतों को आकार देने वाले प्रभावशाली मेगाट्रेंड हैं। इन परिवर्तनों की लहर पर सवारी करते इस फंड का उद्देश्य एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कंज्यूमर गुड्स, हेल्थकेयर, रियल्टी, टेलीकॉम, पावर और सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में अवसर खोजना है, ये सभी क्षेत्र भारत की खपत वृद्धि की तेजी में योगदान दे रहे हैं। यह फंड संभावित विकास के अवसरों की पहचान करते हुए उभरते उपभोक्ता उछाल से लाभ उठाने के लिए तैयार कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह फंड एक मार्केट - कैप झ ऐग्नोस्टिक दृष्टिकोण का पालन करेगा, जो विभिन्न बाजार पूंजीकरणों में निवेश करने के लिए लचीलापन प्रदान करेगा। लॉन्च पर बोलते हुए, बजाज फिन्सर्व एएमसी के सीईओ, श्री गणेश मोहन कहते हैं, आय के स्तर और शहरीकरण में वृद्धि तथा लोगों के बुनियादी से विवेकाधीन खर्च की तरफ रुझानों के कारण भारत का उपभोग परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल रहा है। एक थीम के रूप में ह्वउपभोगह्व क्षेत्र निवेश के अनुकूल है क्योंकि व्यापक बाजारों की तुलना में इसके बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं। हम निश्चित रूप से मानते हैं कि आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण विस्तार की उम्मीद वाले क्षेत्रों जैसे एफएमसीजी, खाद्य सेवाएं और त्वरित वाणिज्य, रियल्टी और ऑटो में वृद्धि के साथ यह फंड लंबे समय में हमारे निवेशकों के पोर्टफोलियो के लिए एक संपत्ति बन जाएगा।

स्मार्ट बाजार के विशेष जोन पर मिल रही छठ पूजा की सभी सामग्रियां

मुंबई/पटना। स्मार्ट बाजार, भारतीय परंपराओं और पर्व पर लोगों के आस्था का पूरा ध्यान रखती है। अभी मौका सूयोपासना के महान पर्व छठ का है। लोक आस्था का यह महापर्व छठ बिहार एवं झारखंड के कोने-कोने में मनाया जाता है। इस महापर्व में लोग उगते सूर्य के पहले अस्त होते हुए सूर्य की पूजा करते हैं। यह अपने आप में अनूठी परंपरा है। स्मार्ट बाजार ने बिहार-झारखंड के सारे स्टोर्स में छठ महापर्व के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके लिए अलग से जोन ही बनाया गया है। इन स्टोर्स में छठ पूजा से संबंधित तमाम सामग्रियां उपलबध कराई गई है। स्टोर्स में पवित्रता का पूरा ध्यान रखा गया है, यहाँ काम करने वाले कर्मचारियों को भी शुद्धता का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है। स्टोर्स में पूजन की सारी सामग्रियां बाजार से कम मूल्य में उपलब्ध कराई गई है। इतना ही नहीं ग्राहकों के लिए कई ऑफर भी उपलब्ध कराए गए हैं।

अणुशक्तिनगर विधानसभा में सना मलिक का प्रचार जोरों पर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में प्रथम चरण का चुनाव प्रचार शुरू हो गया। हरेक विधानसभाओं में प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के कार्यालय का उद्घाटन शुरू है। इसी कड़ी में अणुशक्ति नगर विधानसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) की उम्मीदवार और नवाब मलिक की बेटी सना मलिक के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन मंगलवार की रात भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच खुल गया है। सना मलिक का प्रचार जोरों से शुरू हो गया है। यही नहीं बुधवार को सना मलिक की मेगा मास पदयात्रा संपन्न हुई। जिसमें भारी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल थे। बता दें कि सना मलिक की यह पद यात्रा भारत नगर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम शिवाजी मंदिर, समता बुद्ध विहार, भीम टेकडी, महालक्ष्मी मंदिर, सिद्धार्थ बुद्ध नगर, प्रेम नगर गड़करी खदान होते हुए प्रयाग नगर तक गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने सना मलिक का स्वागत किया। बता दें कि सना मलिक के पिता नवाब मलिक इसी विधानसभा से विधायक हैं जिसके कारण सना मलिक पिछले कुछ सालों से अणुशक्ति नगर विधानसभा में सदैव ही विकास के प्रति कार्यरत रहती हैं।

जायंट्स ग्रुप आफ भिवंडी द्वारा 21वां प्लास्टिक सर्जरी व जनरल सर्जरी शिविर का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जायंट्स ग्रुप आफ भिवंडी व इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल भिवंडी द्वारा निशुल्क प्लास्टिक सर्जरी व जनरल सर्जरी शिविर का आयोजन किया गया है। बतादें कि प्लास्टिक सर्जन स्व. डा. शरद कुमार दीक्षित द्वारा 23 वर्ष पूर्व सर्जरी शिविर की शुरूआत की गयी थी। डा. शरद कुमार दीक्षित की 2011 में निधन हो जाने के बाद जायंट्स ग्रुप आफ भिवंडी द्वारा इस शिविर को डा. शरद कुमार दीक्षित की याद में इस शिविर को अनवरत जारी रखा गया है। जिसमें भिवंडी के मेडिकल से संबंधित कई अन्य संस्थाओं के साथ सामाजिक संस्थाओं का विशेष सहयोग रहता है। इससे पूर्व केवल

चेहरे पर दाग, फटे ओंठ, टेढापन आदि की ही सर्जरी की जाती थी लेकिन अब इस शिविर में मोतियाबिंद, कान के ऑपरेशन, हड्डियों के आपरेशन, हर्निया, अपेंडिक्स, हाइड्रोसील आदि जनरल सर्जरी बिल्कुल निशुल्क की जायेगी। जिसके लिए 20 नवंबर तक आनलाइन व आफलाइन रजिस्ट्रेशन करना आवश्यक है जिसके लिये भिवंडी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टर्स के पास कर सकते हैं। किसी विशेष परिस्थिति में 23 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन हो सकता है। 24 नवंबर को मरीज की पूरी मेडिकल जांच की जायेगी जिसके बाद 6 से 8 नवंबर की तारीख दी जायेगी जिनका आपरेशन इंदिरा गांधी अस्पताल में किया जायेगा वहीं मोतियाबिंद के लिए भैरव चैरिटेबल आय हास्पिटल में किया जायेगा। कुछ बडे आपरेशन के लिये उल्हासनगर, डोंबीवली में किया जायेगा। इस शिविर में कोई भी मेडिकल चार्ज नहीं लिया जायेगा व मरीज व उसके साथ आने वाले व्यक्ति के लिये चाय नास्ता व खाना भी निशुल्क दिया जायेगा। उक्त जानकारी पत्रकार परिषद में दी गयी। इस अवसर पर डा. जयेश मंगे, डा. जयानंद केणी, दिलीप कोठारी, डा.एस डी जैन, गगन जैन, सदानंद केणी, डा. कमल जैन, डा. नूर खान, सुरेश परमानी आदि लोग उपस्थित थे।

संस्कृति एवं पर्यटन समिति के विशेष सदस्य के रूप में संजय दीना पाटिल की हुई नियुक्ति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार ने गत दिनों संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय की सलाहकार समिति की घोषणा की और गजेंद्र सिंह शेखावत को अध्यक्ष और उत्तर पूर्व मुंबई महाविकास अघाड़ी के सांसद संजय दीना पाटिल को स्थायी विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया।

बता दें कि केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय ने हाल ही में संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय के लिए एक सलाहकार समिति की घोषणा की है। इस समिति का अध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत को बनाया गया है और राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह सुरेश गोपी को नियुक्त किया गया है. वहीं उत्तर पूर्व मुंबई महाविकास अघाड़ी के सांसद संजय दीना पाटिल को स्थायी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

इस समिति में सदस्य के रूप में थरानिवेंधन एमएस, लवली आनंद, डॉ. शिवपाल सिंह पटेल, माला राय, मो. हमदुल्ला सईद, विरियाटो फर्नांडीस, डॉ. महेश शर्मा, जय प्रकाश, डॉ. राजीव भारवदाज, ज्ञानेश्वर पाटिल, कंवर सिंह तंवर, राजकुमार चाहर और राज्यसभा के सदस्य के रूप में जोस.के.मणि, नारायण दास गुप्ता, महुआ मांजी, इलियाराजा, तेजवीर सिंह, दर्शन सिंह और अजीत माधवराव गोपछड़े को नियुक्त किया गया है।

महाविकास अघाड़ी का घोषणापत्र जारी, 5 गारंटी का ऐलान, महिला, युवा और किसानों पर जोर

मुंबई। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। एमवीए ने इसके जरिए लोगों को पांच गारंटियां दी हैं। पांच गारंटियों के तहत वादा किया गया है कि राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनी तो जातिगत जनगणना कराए जाएंगे। 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटाने का प्रयास करेंगे। इसके साथ ही महिलाओं को भी साधने की कोशिश हुई है। महिलाओं के लिए महालक्ष्मी योजना का ऐलान किया गया है। इसके तहत महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपये मिलेंगे। एमवीए ने यह भी वादा किया है कि 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा।

एमवीए का जोर युवाओं और किसानों पर भी है। एमवीए ने कहा कि उसकी सरकार बनने के बाद राज्य के युवाओं को 24 हजार रुपये सालना देंगे। किसानों को 3 लाख रुपये तक की ऋण माफी और

नियमित ऋण भुगतान पर 50,000 रुपये का प्रोत्साहन की भी बात कही गई है। इस दौरान राहुल गांधी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, शिवसेना युबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और एनसीपी नेता शरद पवार मौजूद रहे। राहुल गांधी ने कहा कि देश में विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ इखढ-फरर है। दूसरी तरफ INDIA गठबंधन है। एक तरफ आंबेडकर जी का संविधान है, जिसमें एकता, समानता, मोहब्बत और सम्मान है। दूसरी तरफ BJP-RSS के लोग हैं, जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं। लेकिन ये बात वो सामने से नहीं कहते हैं, क्योंकि खुलकर बोलेंगे तो पूरा देश उनके सामने खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार चुनाव आयोग पर दबाव डालती है और उइक, एऊ, क्ळ का इस्तेमाल कर सरकार गिराती है। पिछली महाराष्ट्र की सरकार आपकी सरकार थी, लेकिन उस सरकार को मोदी जी ने चोरी कर हटा दिया।

निर्दलीय उम्मीवार महेश गायकवाड़ अंगूठी निशानी लेकर किया प्रचार का शुभारंभ

जनता के हक के लिए हमेसा लड़ता रहूंगा : महेश गायकवाड़

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र 142 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे महेश गायकवाड ने बुधवार की सुबह चुनाव प्रचार का बिगुल बजा दिया है। बतादे की महेश गायकवाड़ को चुनाव चिंह के रूप में अंगूठी निशानी मिली है, उसी निशानी को लेकर तिसगांव स्थित तिसाई जरीमरी मंदिर में देवी मां के दर्शन करने के बाद महेश गायकवाड ने प्रचार का आगाज किया।

सबसे पहले महेश गायकवाड़ और उनके चाहने वालों ने तिसगांव, रचना पार्क, संतोष नगर परिसर में रैली कर महेश गायकवाड ने

मतदाताओं से सीधे संपर्क करने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ने की बात कही। चुनाव प्रचार का पहला दिन महेश गायकवाड़ के चाहने वालों ने सड़कों पर निकलकर महेश का स्वागत सत्कार किया। पहला दिन जिस तरह से लोंगो ने महेश को महत्व दिया इससे साफ हो जाता है कि शहर की जनता में महेश ने अपनी जगह अपने काम के चलते बनाई है।

लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष ने झूठ फैलाया, जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा : अजित पवार

बारामती। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दलों को लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा संविधान के संबंध में फैलाए गए झूठे विमर्श का खामियाजा भुगतना पड़ा। हालांकि, अजित ने कहा कि सरकार की जन-केंद्रित योजनाओं की वजह से महायुति के महाराष्ट्र में सत्ता में बने रहने के लिए अनुकूल माहौल है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ऐसे वादे कर रहा है, जिन्हें वह पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि वह बारामती विधानसभा सीट पर एक बार फिर जीत दर्ज करेंगे।

उपमुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद बोल रहे थे। शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ महायुति गठबंधन में शामिल उनकी पार्टी (राकांपा) राज्य की 52

विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। राकांपा ने उन सभी सीट के लिए निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट घोषणापत्र भी जारी किया है, जिन पर वह चुनाव लड़ रही है। अजित बारामती से फिर से किस्मत आजमा रहे हैं, जबकि उनके चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने इस सीट से युगेंद्र पवार को मैदान में उतारा है। युगेंद्र अजित पवार के भतीजे हैं।

अजित ने बारामती में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष ने एक झूठा विमर्श फैलाया कि संविधान को बदल दिया जाएगा, जो न तो संभव है और न ही कभी होगा। विपक्ष संविधान के बारे में एक झूठा विमर्श फैलाने में कामयाब रहा और हमें (महायुति को) लोकसभा चुनावों में इसकी कीमत चुकानी पड़ी। जब अजित से पूछा गया कि क्या महायुति द्वारा किए गए वादे पूरे करने योग्य हैं, तो उन्होंने कहा कि अधिकांश वादे पूरे किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें राज्य के राजस्व और संसाधनों में वृद्धि करनी होगी। जब हम बजट पेश करते हैं, तो हम यह देखने का प्रयास करते हैं कि हम गरीब और हाशिये पर पड़े वर्गों को प्रभावित किए बिना कहां बचत कर सकते हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। **RNI NO. MAHHIN/2018/76092** ***संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति,** इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com,**

मछलीशहर नगर पंचायत के चेयरमैन गिरफ्तार

राजनीतिक गलियारे में हड़कंप भाई ने भाई को भेजवाया जेल

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धोखाधड़ी और फर्जी तरीके से कागजात तैयार करके ट्रेलर बेचने के आरोप में मछलीशहर नगर पंचायत के चेयरमैन, संजय जायसवाल को पुलिस ने गिरफ्तार लिया है। संजय जायसवाल चौथी बार अध्यक्ष चुने गए है। वे बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़े थे। उनके ऊपर आधा दर्जन मुकदमा दर्ज है। मछलीशहर के प्रथम नागरिक की गिरफ्तारी से राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मच गया है।

नगर के शादीगंज मोहल्ला निवासी नगर पंचायत अध्यक्ष के छोटे भाई अनुराग जायसवाल ने संयुक्त गृह सचिव (पुलिस) को प्रार्थना पत्र दिया था कि उन्होंने अपने बड़े भाई नगर पंचायत अध्यक्ष संजय जायसवाल एसकेपी रोडलाइंस ट्रांसपोर्ट कंपनी मछलीशहर, में अपनी 13 ट्रेलर लगवाया था। लेकिन उन्होंने छलपूर्वक बेईमानी से अनधिकृत रूप से लाभ लेने के उद्देश्य से सभी वाहन अपने कब्जे में ले लिया। उसके बाद बिना अनुराग की अनुमति के और बिना बैंक की एनओसी जारी किए फर्जी और कूट रचित कागजात तैयार कर जालसाजी करके बेच दिया। शिकायत के बाद संयुक्त गृह सचिव (पुलिस) ने मामले है। की जांच सीओ को दी गई थी। जांच के के बाद कोतवाली पुलिस ने 11 सितंबर को मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में क जुट गई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद चेयरमैन ने गिरफ्तारी से बचने के लिए वे हाई कोर्ट से स्थगन आदेश लिया था। स्थगन आदेश बढ़ाने के लिए मंगलवार को हाईकोर्ट गए थे। लेकिन स्थगन आदेश नहीं बढ़ा। वहां से लौटते समय कुंवरपुर टोलप्लाजा के पास पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उन्हें आज गिरफ्तार करके उनका चालान न्यायालय भेजा गया।

यातायात पुलिस ने काटा 1404 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1404 वाहनों का किया गया चालान पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात/नगर देवेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा तिराहाओं पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी। तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करने के बारे में जागरुक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1404 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांकः05.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही, कुल चालान संख्या, 1404 बिना हेलमेट वाहन चलानाः-1005 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः-70 तीन सवारी वाहन चलानाः-50 यातायात नियमों का उल्लंघनः-30 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः-28 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-8 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः-1 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-10 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः-2 ओवर स्पीड वाहन चलानाः-2 नो पार्किंगः-36 शेष अन्य धारा मेः-162।

राहगीरों के आवागमन में घातक बना शाहगंज पल्थी मार्ग

- एक वर्ष से गिट्टी एवं मिट्टी पर चलने को मजबूर राहगीर
- प्रधानमंत्री सड़क योजना से निमार्णाधीन मार्ग से राहगीर परेशान
- सांसद संगीता आजाद ने चार सड़कों का किया था शिलान्यास

इम्तियाज सिद्दीकी/शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज से हुब्बीगंज पल्थी मार्ग के निर्माण का समय बीत जाने के बाद भी सड़क अधूरी है और जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद में है। गढ्ढो में तब्दील सड़क तालाब बने हैं। छिटक रही पत्थर की गिट्टियां, उड़ रही मिट्टी और गिट्टी के कणो से लोगों में रोष है। उक्त मार्ग को मई में ही पूर्ण होना था। लेकिन यह अभी तक अधूरी है। इसका निर्माण 9.41 करोड़ की लागत से होना था। निर्माण पूर्ण न होने से लोगों के आवागमन में बाधक बने ।शाहगंज- पल्थी मार्ग के अवरूद्ध निर्माण के कारण लोगों में गुस्सा है। ग्राम विकास मंत्रालय की ओर से वित्त पोषित सड़क का शिलान्यास तत्कालीन लालगंज की सांसद संगीता आजाद ने किया था। मार्ग की कुल लंबाई 9.95 किमी है। जोकि 9.41 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। निर्माण मेसर्स चंद्रावती कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कर रही है। निर्माण 15 मई 2023 से शुरू हुआ। जबकि सड़क निर्माण पूरा होने की समय सीमा 14 मई 2024 निश्चित थी। जिसका दो जनपदों की सीमा पर सिलापट्ट बोर्ड भी लगा हुआ है। कार्यदायी संस्था की ओर से समय पर निर्माण पूरा नहीं कराया जा सका। यदि कार्यदायी संस्था की ओर से समय से सड़क निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया होता तो, आज आए दिन उक्त मार्ग पर बड़ी दुर्घटनाएं नहीं होती। लेकिन कार्यदायी संस्था की उदासीनता के चलते सड़क पर आज भी धूल और गिट्टियों के कण निरंतर गाड़ियों के चक्कों की चोट के कारण छटक कर बगल में चलते व्यक्तियों राहगीरों को घायल करती हैं। बसपा सांसद संगीता आजाद ने उक्त मार्ग का आजमगढ़ क्षेत्र में निर्माण कार्य का उद्घाटन किया था। ऐसे में राहगीरों को उम्मीद जगी थी कि पल्थी से हुब्बीगंज शाहगंज लिंक मार्ग का निर्माण हो जाने से आवागमन आरामदायक हो जाएगा। परंतु निर्माण कार्य की अंतिम समय सीमा बीत जाने के आठ माह बाद उक्त सड़क पर राहगीरों को घायल होते देखा जाता है। सड़क पर ठेकेदार गिट्टी और मिट्टी डाल कर छोड़ दिया है। इससे वाहनों के चलने से बराबर धूल उड़ती है। मार्ग पर पडने.वाली बाजार के दुकानदारों के समान उड़ रही धूल से खराब हो रहे हैं। पानी का छिड़काव भी नहीं हो रहा है अगर निमार्णाधीन मार्ग पर प्रतिदिन पानी का छिड़काव होता तो धूल उडनीं बंद हो जाती। उक्त मार्ग पर चलने वाले लोग धूलदूषित नहीं होते। साथ ही बाजार में बिकने वाली चीज भी सुरक्षित रहती। विगत कुछ दिन पूर्व आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष गालिब शेख ने तालाब बने मार्ग पर पौधारोपण कर विरोध दर्ज कराया था। परंतु अभी उक्त सड़क का निर्माण अधूरा है। ज्ञात हो कि एक वर्ष पूर्व दीदारगंज - सरायमीर मार्ग नरईपुर सम्पर्क मार्ग, पल्थी से शाहगंज, मार्टीनगंज से गम्भीरपुर, सिसवारा से बरदह का शिलान्यास सांसद संगीता आजाद ने किया था।

प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत शाहगंज पल्थी रोड सड़क का निर्माण होना था। परंतु ठेकेदार के द्वारा कार्य में अनियमितता के कारण उसका टेंडर निरस्त कर दिया गया है। जल्द ही उक्त सड़क का निर्माण पूर्ण होगा। —संगीता आजाद पूर्व सांसद लालगंज

हज यात्रियों की प्रथम किस्त जमा करने की तिथि बढ़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति द्वारा 30 अक्टूबर 2024 द्वारा हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई ने सर्कुलर-11 दिनांक 30 अक्टूबर 2024 के क्रम में हज-2025 के लिए चयनित हज यात्रियों की प्रथम किस्त रू0 1,30,300 जमा करने की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर, 2024 से बढ़ाकर 11 नवम्बर 2024 कर दी गयी है। धनराशि जमा कर पे-इन-स्लिप/ऑनलाइन जमा रसीद, हज आवेदन फार्म व घोषणा पत्र, मेडिकल स्क्रीनिंग एण्ड फिटनेस सर्टिफिकेट (वेबसाईट https://hajcommittee.gov.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप पर), स्वहस्ताक्षरित अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट की फोटोप्रति उ0प्र0 राज्य हज समिति के उक्त पते पर डाक अथवा दस्ती 14 नवम्बर, 2024 या उससे पूर्व जमा करना आवश्यक है। निर्धारित समय से धनराशि जमा न होने की स्थिति में चयन निरस्त किया जा सकता है।

मदरसा एक्ट की संवैधानिकता को मिली मान्यता

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का एडवोकेट जाफर रजा जैदी ने किया स्वागत

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में मदरसा एक्ट की संवैधानिकता को बरकरार रखा, जिससे देशभर के मदरसों को बड़ी राहत मिली है। इस फैसले को भारतीय कानून के दायरे में पारंपरिक इस्लामी शिक्षा देने वाले संस्थानों के अधिकारों की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इस मामले में मदरसा पक्ष का प्रतिनिधित्व करते हुए एडवोकेट जाफर रजा जैदी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में पैरवी की थी और इस निर्णय पर संतोष व्यक्त किया। जैदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसों की महत्वपूर्ण भूमिका को भारतीय शिक्षा व्यवस्था में मान्यता दी है और उनके संवैधानिक अधिकारों को सुरक्षित किया है।

उन्होंने इस फैसले को इन संस्थानों की सांस्कृतिक धरोहर और स्वायत्तता की सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। एडवोकेट जाफर रजा जैदी की इस फैसले में सक्रिय भूमिका की प्रशंसा हो रही है। जिससे यह जीत उनके न्याय और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रमाण मानी जा रही है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने घाटों की साफ सफाई की तैयारियों का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में छठ पूजा के पावन पर्व के दृष्टिगत

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजयपाल शर्मा के साथ मंगलवार देर रात गोमती नदी पर स्थित हनुमान घाट, अचला घाट, गोपी घाट सहित अन्य घाटों पर छठ पूजा के दृष्टिगत की गयी तैयारियों यथा घाटों की साफ-सफाई, घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, घाट पर जाने वाले रास्तों की स्थिति आदि का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया गया कि घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराये, जिससे लोगो को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति के पदाधिकारीयों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों ने अचला घाट पर अचला देवी के दर्शन भी किये। निरीक्षण के दौरान स्थानीय छठ पूजा समिति के अध्यक्ष तथा स्थानीय जनता से वार्ता कर छठ पूजा की तैयारियों के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी जिस पर उनके द्वारा संतोष व्यक्त किया गयो इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी से आग्रह किया कि छठ पूजा के दौरान घाट एवं नदी की साफ-सफाई में अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें। छठ पूजा के लिए पुलिस और मजिस्ट्रेट की ड्यूटी सभी जगह लगाई गयी है। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारीगण सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पत्नी-बच्चों को राजेंद्र गुप्ता ने नहीं मारा तो किसने मारा?

- **वाराणसी हत्याकांडः 28 साल पहले हुए हत्याकांड से भी जुड़ रहे तार**

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शराब कारोबारी राजेंद्र गुप्ता और उनकी पत्नी बच्चों की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ा इनपुट मिला है। पुलिस के मुताबिक इस वारदात के तार 28 साल पहले हुए उस हत्याकांड से जुड़ रहे हैं। जिसमें राजेंद्र गुप्ता ने अपने ही परिवार के चार लोगों को गोली मार दी थी। वाराणसी में शराब कारोबारी राजेंद्र गुप्ता की आत्महत्या और उनकी पत्नी-बच्चों की हत्या का मामला पूरी तरह से पलट गया है। पहले पुलिस दावा कर रही थी कि राजेंद्र गुप्ता ने ही अपने पत्नी बच्चों की हत्या के बाद खुद आत्महत्या की है। इसके बाद राजेंद्र गुप्ता की मां ने मीडिया से बात की और पुलिस की थ्योरी को बकवास करार दिया। कहा कि उनका बेटा तो दो दिन पहले ही यहां से रोहनिया चला गया था और वापस नहीं लौटा। अब खुद पुलिस ने भी राजेंद्र गुप्ता की मां की लाइन पर मुहर लगाई है। पुलिस को इस मामले में 28 साल पुराने हत्याकांड से जुड़े इनपुट मिले हैं। इस इनपुट के आधार पर वाराणसी पुलिस ने राजेंद्र गुप्ता के भतीजे विक्की सहित आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस इन सभी से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा पुलिस की अलग अलग टीमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात में भी छापेमारी कर रही हैं. पुलिस को मिले इनपुट के मुताबिक यह वारदात 28 साल पहले हुए हत्याकांड से जुड़ा है और इस वारदात को अंजाम देने के लिए भाड़े पर शूटर हॉयर किए गए थे। क्या हुआ था 28 साल पहले वाराणसी पुलिस के एक उच्चाधिकारी के मुताबिक 28 साल पहले शराब के ही कारोबार को लेकर राजेंद्र गुप्ता का उनके पिता और भाई के साथ विवाद हुआ था। इस विवाद में राजेंद्र गुप्ता ने पिता, पिता के गनर, छोटे भाई कृष्णा और भयहु मंजू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस वारदात में कई गवाह थे। इनमें राजेंद्र गुप्ता की मां शारदा देवी खुद चश्मदीद गवाह थीं। हालांकि मामले का ट्रॉयल शुरू हुआ तो एक एक कर सभी गवाह पलटते चले गए। आखिर में सबूतों और गवाहों के अभाव में राजेंद्र गुप्ता 7 साल जेल काटने के बाद बाहर आ गए और फिर से शराब का धंधा शुरू कर दिया था।

प्रोफेशनल शूटर ने दिया वारदात को अंजाम

पुलिस अधिकारी ने ऑफ द रिकार्ड बात करते हुए बताया कि उस घटना के बाद से ही छोटे भाई का बेटा विक्की बदले की आग में जल रहा था। पुलिस को इनपुट मिले हैं कि विक्की ने ही शूटर हॉयर किए और 28 साल पहले हुई अपने माता पिता की हत्या का बदला ले लिया है। पुलिस के मुताबिक इस वारदात के लिए प्रोफेशनल शूटर्स हॉयर किए गए थे। इन सभी शूटर्स की धरपकड़ के लिए वाराणसी पुलिस तीन राज्यों में दबिश दे रही है।

बेबुनियाद है तांत्रिक और अवैध संबंध का मामला

पुलिस ने पहले खुद ही बताया था कि राजेंद्र गुप्ता के अवैध संबंध थे। चूंकि उनकी पहली पत्नी खुद छोड़ कर चली गई थी। वहीं जेल से छूटने के बाद उन्होंने दूसरी शादी की। पुलिस ने एक दिन पहले दावा किया था कि वह अब किसी तीसरी महिला के संपर्क में थे और उससे शादी करने के लिए ही अपनी पत्नी की हत्या की है। इसके अलावा पुलिस ने एक तांत्रिक का भी जिक्र किया था। कहा था कि कारोबार में बढोत्तरी नहीं होने पर राजेंद्र गुप्ता ने तांत्रिक से सलाह ली थी और उसी तांत्रिक के कहने पर इस वारदात को अंजाम दिया था।हालांकि पुलिस अब खुद इन दोनों ही एंगल को खारिज कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सर्वे हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

निशानाथ

खेतसराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बुधवार को प्रधानमंत्री आवास

योजना ग्रामीण के सर्वे के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकास खण्ड शाहगंज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड विकास अधिकारी (बीडीओ) जितेंद्र प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव ने आवास योजना के मानकों पर प्रकाश डालते हुए सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आवास के लिए निर्धारित मानकों का पालन करना अति आवश्यक है ताकि योजना का लाभ सही और पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके।

बीडीओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सर्वे के दौरान कोई भी पात्र व्यक्ति सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अपात्रों का चयन होने पर संबंधित सर्वेक्षणकताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कंप्यूटर ऑपरेटर दुर्गेश शर्मा ने लोगों को सर्वेक्षण की फीडिंग की तकनीकी जानकारी प्रदान की। बैठक में एडीओ एसटी राकेश बहादुर सिंह, एडीओ एजी धर्मेंद्र कुमार, पंचायत सचिव संजय यादव, विनोद यादव, संतोष यादव, मो. शाहिद आदि समस्त ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, बोरिंग टेक्नीशियन उपस्थित रहे।

सुजानगंज में गायत्री महायज्ञ की निकाली गई भव्य कलश यात्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज क्षेत्र के दिव्य गायत्री मंदिर एंव गोसाई बीर बाबा धाम पेट्रोल टंकी के पूरब सुजानगंज मे पावन प्रज्ञा पुराण कथा एंव गायत्री महायज्ञ के प्रथम दिन गायत्री परिवार के आचार्यो द्वारा विधि-विधान से कलश पूजन कराकर गायत्री भक्तो एंव सरोज विधाशंकर ग्रूप आफ कालेज एवं महाविद्यालय के आचार्यो एवं छात्राओ द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमे गायत्री शक्तिपीठ से निकल फरीदाबाद पूरा, श्री गौरीशंकर धाम, बालवरगंज, सुजानगंज बाजार होते हुए गायत्री शक्तिपीठ पर सम्पन्न हुई। कलश यात्रा के दौरान माता गायत्री के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूज उठा। कलश यात्रा के दौरान माता के भक्तो द्वारा जगह जगह पुष्प वर्षा किया गया प्रति दिन दो बजे से सायं पाँच बजे तक शांति कुंज हरिद्वार से पधारे युग ऋषि पंडित श्री राम शर्मा आचार्य के प्रज्ञा पुत्रों द्वारा संगीत में कथा संपन्न होगा. यह कथा 06 नवंबर 2024 से 10 नवंबर 2024 तक चलेगा।इस अवसर पं. विधाशंकर तिवारी, सरोज कुमारी, डा.विधासागर त्रिपाठी, सुषमा त्रिपाठी, विजय कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।

लूट की घटना करते हुए 3 अभियुक्तों को माल के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर पुलिस द्वारा लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए घटना से सम्बन्धित 03 अभियुक्त/अभियुक्ता को लूट के माल के साथ किया गया गिरफ्तार। डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एंव क्षेत्राधिकारी केराकत के कुशल पर्यवेक्षण व घनानन्द त्रिपाठी प्रभारी निरीक्षक थाना- जलालपुर जौनपुर, व0उ0नि0 रामनेवास मय हमराह पुलिस टीम के क्षेत्र मे मामूर थे कि मुखबिरी सूचना के आधार पर तीन अभियुक्तगण 1.सोहन यादव पुत्र स्व0 रामपलट यादव निवासी ग्राम शिकारपुर थाना सरायख्वाजा जौनपुर 2- भरत यादव पुत्र राजबली यादव निवासी कटेहरी थाना केराकत जौनपुर, 3. सुनीता यादव पत्नी भरत यादव निवासी कटेहरी थाना केराकत जौनपुर को गिरफ्तार किया गया जिनके पास से लूट का माल क्रमशः 15000 रुपया व लूट की घटना मे प्रयुक्त एक मोटर साईकिल हिरो स्पेलेण्डर प्लस व लूटा गया करीब सवा तीन किलो ग्राम चाँदी का बटिया मछली ब्राण्ड, सम्बन्धित मु0अ0सं0- 319/24 धारा 309(6),61(2), 317(2) बीएनएस थाना जलालपुर, जौनपुर के बरामद किया गया। बाद बरामदगी व गिरफ्तारी अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामदगी- 1.घटना मे लूटी गई 3.305 किलोग्राम चाँदी का बटिया मछली ब्राण्ड, 15000 रुपया व घटना मे प्रयुक्त एक मोटर साईकिल हिरो स्पेलेण्डर प्लस व जामा तलाशी का 03 मोबाईल व 1500 रुपये नगद बरामद हुआ।

छठ पूजा को लेकर फलों से सज गये बाजार

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भगवान सूर्य की उपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू हो गया। नहाय–खाय के दिन प्रातःकाल स्नान ध्यान कर व्रती भगवान सूर्य का ध्यान कर सुख और समृद्धि की प्रार्थना करेंगे। इसके बाद भात, दाल, कद्दू की सब्जी तैयार कर भगवान को अर्पित करेंगे और फिर उसे स्वयं प्रसाद के रूप में ग्रहण करेंगे। इसी के साथ पहले दिन का अनुष्ठान पूरा होगा। नहाय-खाय को लेकर बाजार में सोमवार को काफी चहल-पहल रही। लोगों ने कद्दू, मटर, बैंगन, नींबू, धनिया, साग, अगस्त का फूल आदि की खरीदारी की जाती है। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर बाजार धीरे-धीरे सजने लगा है। बाजारों में तरह-तरह के फल दिखाई दे रहे है। नगर के कोतवाली चौक, घास मंडी चौक के पास मंगलवार को सड़क किनारे दर्जनों दुकानें लगाई गई।

मनोज जायसवाल बदलापुर व्यापार मंडल के तहसील अध्यक्ष एवं चंद्रशेखर निगम महामंत्री मनोनीत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में व्यापार मंडल को सांगठनिक रूप से सक्रिय एवं मजबूत बनाने के क्रम में व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं ज़िलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने बदलापुर तहसील व्यापार मंडल के अध्यक्ष पद पर मनोज जायसवाल तथा तहसील महामंत्री पद पर चंद्रशेखर निगम का मनोनयन किया है। नवमनोनीत अध्यक्ष एवं महामंत्री को ये निर्देश दिया गया है कि दो सप्ताह में तहसील इकाई का पूर्ण गठन कर सूची ज़िला इकाई को प्रेषित करें। उक्त आशय की सूचना ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने दी है।

धोखाधड़ी के शिकार हुए पीड़ित के खाते में साइबर से जौनपुर ने वापस कराया 1,26260 रुपये

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। साइबर क्राइम थाना जौनपुर द्वारा साइबर धोखाधड़ी के शिकार 1,26260/- रु0 (एक लाख छब्बीस हजार दो सौ साठ रुपये) पीड़ित के खाते में वापस कराया गया ।डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में साइबर थाना जौनपुर द्वारा पीड़ित उमेश चन्द्र त्रिपाठी के द्वारा शिकायत दर्ज करायी गयी कि मेरे खाते से 126260/- रुपए की आनलाईन ठगी कर ली गयी थी। सूचना पर त्वरित एवं तत्परतापूर्ण कार्यवाही करते हुए साइबर थाना की पुलिस टीम द्वारा पीड़ित के 126260/- रुपये वापस कराये गये ।साइबर अपराध के प्रति जागरुकता ही बचाव है। साइबर अपराध के शिकार होने के तत्काल 1930 पर आनलाइन शिकायत करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत पंजीकृत करें या अपने नजदीकी थाने की साइबर हेल्पडेस्क पर पहुँच कर लिखित शिकायत करे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की डॉ अनील काशी मुरारका के सामाजिक कार्यों की सराहना

नई दिल्ली। देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था एम्पल मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनील काशी मुरारका ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर संस्था द्वारा पूरे देश में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन में चली आधे घंटे तक की बैठक में राष्ट्रपति ने डॉ मुरारका द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने डॉ मुरारका की संस्था एम्पल मिशन को प्रेरणादायक संस्था बताते हुए उनसे लगातार समाज मैं जाति धर्म से ऊपर उठकर सभी समाज के लिए कार्य करने की बात कही। डॉ मुरारका ने भगवान गणेश की मूर्ति लगी हुई संस्था का स्मृति चिन्ह देकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सम्मान किया। उन्होंने राष्ट्रपति को भरोसा दिलाया कि सेवा संकल्प के साथ वे लगातार समाज सेवा का काम करते रहेंगे।

मतदान के लिए लल्लन तिवारी ने स्थगित किया गांव में बहुभोज का कार्यक्रम

भायंदर। लोकतंत्र में मतदान का सबसे अधिक महत्व है। मतदान के माध्यम से ही मतदाता अपने प्रतिनिधि का चयन करता है। यही कारण है कि चुनाव आयोग और सामाजिक संस्थाएं लगातार लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। मतदान के इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने 20 नवंबर को मतदान करने के लिए, अपने पैतृक गांव महुअर कला, चंदौली, उत्तर प्रदेश में 18 नवंबर को अपने पौत्र उत्सव राहुल तिवारी की शादी के उपलक्ष में आयोजित बहुभोज कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनके परिवार और रिश्तेदारों के अलावा मीरा भायंदर में रहने वाले 70 लोगों के हवाई टिकट निकाले गए थे। देखा जाए तो मतदान को लेकर यह बहुत प्रेरणादायक फैसला है। इस बारे में पूछे जाने पर लल्लन तिवारी ने कहा कि मतदान के माध्यम से ही हम अपना भविष्य चुनते हैं। मतदान हमारी सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए हर मतदाता को मतदान अवश्य करना चाहिए।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड की पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी करने की घोषणा

मुंबई। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, जो पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों को अपने मुख्य परिचालन में एकीकृत करने की दिशा में बैंक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ह्यू-सस्टेनह्व शीर्षक वाली यह व्यापक रिपोर्ट, सतत विकास और जिम्मेदार बैंकिंग को बढ़ावा देने में बैंक की रणनीतिक पहलों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है। सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएंः ईएसजी रणनीतिः बैंक की ईएसजी नीति, जलवायु जोखिम प्रबंधन और संधारणीय संसाधन उपभोग के बारे में विस्तृत जानकारी। पर्यावरण पहलः ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उपलब्धियां। सामाजिक प्रभावः वित्तीय समावेशन, सामुदायिक जुड़ाव और कर्मचारी विविधता और विकास में प्रयास। शासनः पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने वाला मजबूत शासन ढांचा। सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ, गोविंद सिंह ने कहा, ह्णहमें अपनी पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट पेश करते हुए खुशी हो रही है, जो ईएसजी सिद्धांतों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड में, हम मानते हैं कि संधारणीय बैंकिंग केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने का एक मार्ग है। यह रिपोर्ट हमारे समय की दबावपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हुए एक लचीले और समावेशी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। संपूर्ण संधारणीयता रिपोर्ट अब बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सेडान सेगमेंट मे क्रांति लाने के लिए ऑल-न्यू डिजायर हुई तैयार, शुरू हुई प्री-बुकिंग

ठाणे। भारत की प्रमुख पैसेंजर वेहिकल निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित चौथा जनरेशन डिजायर की बुकिंग की शुरूआत कर दी है। भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट सेडान, ऑल-न्यू डिजायर अपने अत्याधुनिक डिजाइन, सेगमेंट में पहली बार पेश किए जा रहे ढेरों फीचर्स और शानदार कीमत के साथ एक बार फिर इस सेगमेंट में क्रांति लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मारुति के डिजायर ब्रांड की खास विरासत पर तैयार, नई जेनेरेशन का यह मॉडल भारतीय बाजार में सबसे बेहतरीन वाहन पेश करने की मारुति सुजुकी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस घोषणा के बारे में बात करते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग एवं सेल्स के सीनियर एग्जिक्यूटिव ऑफिसर, पार्थो बनर्जी ने कहा, ह्ण2008 से अब तक के बेमिसाल सफर ने डिजायर को भारत की सबसे पसंदीदा सेडान बना दिया है। अब तक डिजायर 27 लाख से अधिक ग्राहकों का विश्वास जीत चुकी है। ऑल-न्यू डिजायर के साथ, हमने एक ऐसी नायाब चीज तैयार की है, जो न केवल अपने सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ है, बल्कि ग्राहकों की पारंपरिक उम्मीदों से परे है। इसकी आधुनिक डिजाइन फिलॉसफी, शानदार कंफर्ट और अत्याधुनिक तकनीक, डिजायर में ग्राहकों की पसंद के साथ यह दर्शाती है की आधुनिक सेडान में वे क्या चाहते हैं।

समाजसेवी दीपक सिंह का जन्मदिन मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व में भरत भाई मकवाना के कार्यालय पर 5 नवम्बर 2024 मंगलवार को मां शीतला सेवा संघ के संस्थापक अध्यक्ष समाजसेवी दीपक सिंह का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। उनके जन्मदिन पर पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल ने ललाट तिलक लगाकर मंत्रोच्चार द्वारा शंखनाद कर के जन्मदिन पर आशिर्वाद प्रदान किया। महानगर पालिका के पुर्व सभापति भरत भाई मकवाना ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। मां शीतला सेवा संघ के उपाध्यक्ष अजीत सिंह, सचिव रामसेवक यादव, कार्याध्यक्ष रामउग्रह यादव, संयोजक विपिन सिंह, कोषाध्यक्ष अखिलेश राय, सदस्य जोगेंद्र शर्मा, सुरेश मौर्या, आनंद कनौजिया, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, प्रेम कृष्ण तिवारी, पंडित कुलदीप गोस्वामी, रामलाल कनौजिया, दैनिक उत्तर शक्ति चीफ ब्यूरो पंडित आचार्य एडवोकेट दीनानाथ शुक्ल, पत्रकार आनंद मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। बताया जाता है कि मां शीतला सेवा संघ के संस्थापक अध्यक्ष दीपक सिंह के द्वारा संस्था के तरफ से समाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का स्वास्थ ठीक न होने के कारण फोन पर जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी।

सैंडविज्जा ने अपनी 38वीं सालगिरह मनाई

मुंबई। सैंडविज्जा, एक सु-स्थापित क्यूएसआर है, जिसे मुंबई की सबसे बढ़िया सैंडविच बनाने वाली कंपनी माना जाता है। इसने हाल ही में अपनी 38वीं सालगिरह का जश्न मनाया। इस मौके को यादगार बनाने के लिये कंपनी ने बच्चों की भलाई और उनकी आजीविका की दिशा में काम करने वाले प्रमुख एनजीओ मैजिक बस के साथ साझेदारी की है। इस जश्न का आयोजन वर्ल्ड सैंडविच डे के अवसर पर मुंबई में स्थित मैजिक बस सेंटर, मलाड में रविवार, 3 नवंबर को हुआ। इसके तहत, सैंडविज्जा ने एनजीओ के बच्चों को अपने मशहूर सैंडविच वितरित किये और उनके साथ संवादपरक गतिविधियाँ भी आयोजित कीं। इस मौके पर कंपनी के सीईओ सचिन लेले और टीम के महत्वपूर्ण सदस्य उपस्थित थे। सचिन लेले ने बाजार में नेतृत्व करने, कॅरियर के मौकों और तरक्की के रास्तों पर बात की। उन्होंने बच्चों के दिलचस्प सवालों के जवाब भी दिये। इसके बाद उन्होंने बच्चों को स्टेशनरी की चीजें और स्वादिष्ट सैंडविच दिये। अग्रणी एनजीओ के साथ अपनी भागीदारी को और भी मजबूत करने के लिये, सैंडविज्जा ने मैजिक बस के बच्चों के लिये नौकरी के अवसर पेश करने की घोषणा की। सैंडविज्जा अब मैजिक बस एनजीओ के लोगों को नियुक्त करके मुंबई में अपनी दुकानों पर उन्हें नौकरी देगी। कंपनी की 38वीं सालगिरह और इस इवेंट के बारे में सैंडविज्जा के सीईओ सचिन लेले ने कहा, यह सचमुच एक बेहतरीन और भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैजिक बस के साथ भागीदारी का मौका मिलने और अपनी मौजूदगी के 38 सालों का जन मनाने की हमें बड़ी खुशी है। हम लगातार तरक्की करते हुए अपने ग्राहकों के लिये मुंबई के सबसे बढ़िया सैंडविच की पेशकश जारी रखेंगे और इस मौके पर मैं हमारे सभी ग्राहकों को हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। वे सभी हमारी यात्रा का हिस्सा रहे हैं और उनकी मांग के कारण ही हमने खूब तरक्की की है। लाइवलीहुड के रीजनल डायरेक्टर सागर सिंकर ने कहा, हम सैंडविज्जा की टीम के आभारी हैं, जिन्होंने आगे आकर हमारे बच्चों के साथ अपने इस खास मौके का जश्न मनाया। यह दिन हमारे लिये सचमुच खुशियों से भरा था। बच्चों को इसका हर पल पसंद आया और स्वादिष्ट सैंडविच तो वे कभी नहीं भूलेंगे। इस महत्वपूर्ण सालगिरह पर हम सैंडविज्जा को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं।

पीएनबी सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा के साथ देशभर में मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निदेर्शों और इस वर्ष की थीम ह्लराष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृतिह्व के अनुरूप, सार्वजनिक क्षेत्र में देश के प्रमुख बैंक, पंजाब नैशनल बैंक ने सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2024 मनाया।

उद्घाटन समारोह दिल्ली के द्वारका स्थित बैंक के कॉर्पोरेट ऑफिस में आयोजित किया गया, जहां पीएनबी के चेयरमैन श्री के.जी. अनंतकृष्णन, पीएनबी एमडी एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल, पीएनबी के कार्यपालक निदेशकगण (ईडी) एम. परमशिवम और बिभु पी. महापात्र, बोर्ड के अन्य निदेशक और पीएनबी के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री राघवेन्द्र कुमार ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की व उनकी विरासत को एकता और ईमानदारी/सत्यनिष्ठा के प्रणेता के रूप में सम्मानित किया। पीएनबी एमडी और सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल ने बैंक की नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं और सत्यानिष्ठा के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, पीएनबी ने कई आउटरीच और जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया, जिसमें साइक्लोथॉन (साइकिल रैली) और वॉकथॉन सम्मिलित थे, पीएनबी सीवीओ श्री राघवेन्द्र कुमार ने नई दिल्ली स्थित बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय से झंडी दिखाकर दोनों गतिविधियों का शुभारंभ किया, ताकि भ्रष्टाचार के खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

पीएनबी के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) राघवेन्द्र कुमार ने बैंक के सोशल मीडिया हैंडल पर अपने संदेश में सतर्कता के विषय और महत्व पर जोर देते हुए कहा आयोग द्वारा निर्धारित दिशानिर्देश राष्ट्र के निरंतर विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करते हैं। इस वर्ष, आयोग ने पांच प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित तीन महीने का एक अभियान शुरू किया जिसमें क्षमता निर्माण कार्यक्रम, व्यवस्थित सुधार के उपायों की पहचान और उनका कार्यान्वयन, परिपत्रों, दिशानिदेर्शों और नियमावलियों को अपडेट करना, 30 जून 2024 से पहले प्राप्त शिकायतों का समय पर निपटान और हमारी विशिष्ट डिजिटल उपस्थिति को बढ़ाना सम्मिलित है। पीएनबी ने आयोग के उद्देश्यों के साथ अपनी पहल को संरेखित किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह राष्ट्र के टिकाऊ विकास का समर्थन करने वाले और एक पारदर्शी प्रणाली को बढ़ावा देने वाले एक मजबूत ढांचे में योगदान करते हुए ईमानदारी/सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखे।

किया इंडिया ने किया 2.0 के पहले एसयूवी का स्केच जारी किया

मुंबई। एक प्रमुख प्रीमियम कार निमार्ता किया इंडिया ने अपने अत्यधिक प्रतीक्षित, किया 2.0 के पहले एसयूवी का स्केच जारी किया है, जो भारत में एक अनोखी और नई एसयूवी श्रेणी स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। किया का यह नवीनतम एसयूवी अपने विकसित डिजाइन 2.0 दर्शन और उच्च स्तर की तकनीक, स्पेस और सुरक्षा के साथ बाजार में धमाल मचाने के लिए तैयार है। आगामी वाहन भविष्य की गतिशीलता और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य को अपनाए हुए है, जिसे ईवी 9 और कार्निवल लिमोजीन से प्रेरणा मिली है। किया की यह नई एसयूवी पारंपरिक एसयूवी डिजाइन की सीमाओं को पार करते हुए ग्राहकों को श्एक नई एसयूवी श्रेणी का अनुभवश् कराने के लिए तैयार है, जिसमें उद्देश्यपूर्ण डिजाइन और अत्याधुनिक तकनीक का मेल है। इसमें क्लास-लीडिंग सुविधा और अल्ट्रा-स्पेशियस, आरामदायक इंटीरियर शामिल है। किया इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ ग्वांगगू ली ने कहा, नया किया 2.0 एसयूवी हमारे उत्पादों में नवाचार, डिजाइन उत्कृष्टता और ग्राहक-केंद्रितता के प्रति हमारी स्थायी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह एसयूवी भारतीय ग्राहकों की अनदेखी जरूरतों से प्रेरित होकर विशेष रूप से डिजाइन की गई है। इसका अनोखा, प्रगतिशील एसयूवी डिजाइन पारंपरिक एसयूवी डिजाइन का अनुसरण नहीं करता है। यह एसयूवी अपने सेगमेंट में पहली बार मिलने वाली सुविधाओं, उत्कृष्ट प्रदर्शन और अद्वितीय आराम के साथ ग्राहकों को प्रसन्न करने के लिए बनाई गई है। हमें विश्वास है कि यह उन भारतीय ग्राहकों के साथ जुड़ाव बनाएगी जो सर्वश्रेष्ठ की मांग करते हैं।

नालासोपारा शिवसेना शिंदे गट कार्यालय मे महिला अघाड़ी पालघर जिला संगठन की शीतल नवीन कदम, नवीन कदम, उप शहर प्रमुख वसई पूर्व और शाखा प्रमुख संजय दलवी (एवरशिन वसई पूर्व), शाखा प्रमुख विजय भोसले (अंबावाड़ी) सहयोगियों के साथ 30 महिला और अन्य पुरुष ने पार्टी में प्रवेश किया। इस मौके पर पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। छाया: उत्तरशक्ति

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि हासिल की

मुंबई। परीक्षा की तैयारी में देश का सबसे बड़ा नाम, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है - उसकी प्रमुख छात्रवृत्ति परीक्षा, आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम 2024 में दस लाख छात्रों ने भाग लिया। यह परीक्षा देशभर में आयोजित की गई, और यह कक्षा VII-XII के छात्रों को मेडिकल और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने सपनों को साकार करने के लिए 100% तक छात्रवृत्ति और अच्छा-खासा नकद पुरस्कार देने के लिए जानी जाती है। यह अद्भुत उपलब्धि परीक्षा की तैयारी के क्षेत्र में एक नई मिसाल पेश करती है। यह सिर्फ आकाश द्वारा दी जा रही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा पर बढ़ते विश्वास को ही नहीं, बल्कि भविष्य में आने वाली पहलों के लिए एक नया मानक भी तय करती है। यह छात्रवृत्ति परीक्षा 19 से 27 अक्टूबर 2024 तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से आयोजित की गई थी।

ANTHE 2024 ने छात्रों को अपनी क्षमताओं और उम्मीदों को साबित करने का शानदार मौका दिया, और उन्हें आकाश के व्यापक और सख्त कोचिंग प्रोग्राम तक पहुंच प्राप्त करने का अवसर भी मिला। ये प्रोग्राम NEET, खएए, राज्य सीईटी जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं और ठळरए और ओलंपियाड जैसी प्रमुख छात्रवृत्तियों में सफलता पाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के एमडी और सीईओ श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, ANTHE केवल एक छात्रवृत्ति परीक्षा नहीं है, बल्कि यह युवा छात्रों के लिए अपनी क्षमता को साबित करने और बेहतरीन शिक्षा तक पहुंच पाने का अवसर है। हम देशभर के छात्रों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें और मेडिकल या इंजीनियरिंग में अपने करियर के सपनों को पूरा कर सकें।

भारत को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए डाबर हनी करेगा प्रेरित

मुंबई। दुनिया के नंबर 1 हनी ब्राण्ड डाबर हनी ने भारत में मोटापे की बढ़ती समस्या के मद्देनजर फिज़िकल फिटनैस के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए एक टीवी कैंपेन का लॉन्च किया है। अपनी अनुशासित जीवनशैली के लिए विख्यात बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार इस कैंपेन में दर्शकों से अपील करते नजर आएंगे कि अपने रोजमर्रा के जीवन में फिटनैस और सेहतमंद विकल्पों को अपनाएं। इस कैंपेन में अक्षय कुमार न सिर्फ फिटनैस को प्रोमोट करते दिखेंगे बल्कि खुद की आवाज में गाना गाकर उन्हें सेहतमंद जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित भी करेंगे। वे युवाओं को संदेश देंगे कि अपने दिन की शुरूआत डाबर हनी और गुनगुने पानी तथा सक्रिय जीवनशैली के साथ करें। टीवी का नया विज्ञापन इस

बात पर रोशनी डालता है कि भारत में गतिहीन जीवनशैली और खाने-पीने की गलत आदतों के चलते मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। लांसेट द्वारा हाल ही में जारी एक अध्ययन के मुताबिक देश में 20 वर्ष से अधिक उम्र के 44 मिलियन महिलाएं और 26 मिलियन पुरुष मोटापे का शिकार हैं। कैंपेन के बारे में बात करते हुए वरुण गट्टानी, कैटेगरी हैड- मार्केटिंग, डाबर इंडिया ने कहा, ह्यह्यपिछले सालों के दौरान डाबर हनी लोगों को फिट एवं स्वस्थ रहने तथा अपने रोजमर्रा के जीवन में शहद के साथ फिटनैस को अपनाने के लिए प्रेरित करता रहा है। ह्यटेक द फर्स्ट स्टैप विद डाबर हनीह्व सिर्फ एक और आकर्षक टैगलाईन ही नहीं बल्कि एक मिशन है जो गतिहीन जीवनशैली और खाने-पीने की गलत आदतों की वजह से होने वाली मोटापे की समस्या को हल करने के लिए प्रेरित करता है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि डाबर हनी मार्केट में मौजूद एकमात्र अग्रणी ब्राण्ड है जो हेल्थ और फिटनैस के पैरामीटर्स पर जांचा गया है। जांच में यह साबित हो चुका है कि 90 दिनों तक गुनगुने पानी के साथ डाबर हनी के सेवन तथा संतुलित आहार और सक्रिय जीवनशैली को अपनाने से कमर में एक साइज तक की कमी लाई जा सकती है।

वसई विधानसभा में केंद्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

वसई रोड। 133 वसई विधानसभा चुनाव केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन लोक निर्माण मंत्री व महाराष्ट्र राज्य एवं पालघर जिले के संरक्षक रवीन्द्र चव्हाण के हाथों किया गया। इस शुभ अवसर पर सांसद हेमन्त सावरा, भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, नालासोपारा विधानसभा प्रत्याशी राजन नाइक, मनोज पाटिल, . शेखर धुरी, उत्तम कुमार नायर, नीलेश तेंडोलकर, सुदेश चौधरी, आरपीआय से ईश्वर धुळे सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पालक मंत्री रवींद्र चव्हाण ने उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया और सभी से महायुति की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को उनके घरों तक पहुंचाने की अपील की। केंद्र में एनडीए सरकार और राज्य में भाजपा-महायुतिया सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं। महिला सम्मान योजना मुख्यमंत्री की लाड़ली बहन, लखपति दीदी, पिंक ई-रिक्शा योजना से प्रदेश की सभी माताओं-बहनों को बहुत लाभ हुआ है। महिला सशक्तिकरण के लिए महायुति सरकार द्वारा उठाया गया कदम वाकई सराहनीय है। इस समय, मैंने विश्वास व्यक्त किया कि जनता वसई के समग्र विकास और परिवर्तन के लिए इस वर्ष भाजपा के उम्मीदवार को विधान सभा में भेजेगी। एकत्रित हुए महायुति के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने 44 वर्षों के बाद वसई विधान सभा में कमल खिलाने का संकल्प लिया। समग्र कार्यक्रम का संचालन मंडळ अध्यक्ष महेश सरवणकर, अभय कक्कड ने कीया। पदाधिकारियों में सुरेश प्रजापती, सिद्धेश तावडे, अर्जुन इंगोले, दीपक शर्मा, चेतन पागे, महिला मोर्चा भाजपा से अपर्णा पाटील, शिवसेना शिंदे गुट से शितल कदम अपने साथी के साथ उपस्थित रहे।

DKMS-BMST राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर ब्लड कैंसर की उपचार सुविधाओं में मौजूदा कमी को दूर करने की पहल

मुंबई। भारत में कैंसर का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है जिसमें ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मायलोमा जैसे ब्लड कैंसर भी शामिल हैं, और राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस हमें याद दिलाता है कि दिल दहला देने वाली यह समस्या बेहद गंभीर है। भारत में हर साल 1 लाख से ज्यादा लोगों में ब्लड कैंसर या थैलेसीमिया और एप्लास्टिक एनीमिया जैसी खून से संबंधित बीमारियों का पता चलता है। भले ही चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति की वजह से इलाज के नतीजे पहले से काफी बेहतर हुए हैं,

परंतु जान बचाने वाली थेरेपी, खास तौर पर ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन जैसी थेरेपी की सहज उपलब्धता ज्यादातर मरीजों के लिए आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

DKMS-BMST ब्लड कैंसर का सामना करने के लिए सच्ची लगन से काम करते हुए इस मुहिम में सबसे आगे है, और इस गंभीर समस्या के निदान के अपने संकल्प पर कायम है।

DKMS-BMST लोगों के बीच ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन की अहमियत के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और मरीजों की सहायता के लिए अभिनव कार्यक्रमों को लागू कर-के, मौजूदा उपचार सुविधाओं की कमी को दूर करने तथा अनगिनत मरीजों के जीवन में नई आस जगाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस अवसर पर DKMS-BMST फाउंडेशन इंडिया के सीईओ, पैट्रिक पॉल कहते हैं, उपचार को सुलभ बनाने का हमारा कार्यक्रम इस बात की मिसाल है कि, हम इस बात के लिए पूरी तरह समर्पित है कि पैसों की कमी की वजह से किसी भी मरीज को जीवन-रक्षक उपचार से वंचित नहीं होना पड़े। इसके अलावा, हमारी स्टेम सेल रजिस्ट्री भी मरीजों को संभावित डोनर्स से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे उन्हें एक नई जिंदगी पाने का मौका मिलता है।

जैपोर ने खूबसूरत डॉकरा हस्तशिल्प लॉन्च किया, परंपरा को सहेजने और कारीगरों को सशक्त बनाने की पहल

मुंबई। जैपोर भारतीय परंपराओं को दुनिया से जोड़ने के अपने मकसद से देश के कारीगरों, डिजाइनरों और स्वतंत्र शिल्पकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह साझेदारी पारंपरिक कलाओं को एक नई सोच और आधुनिक डिजाइनों के साथ पेश करती है, जो वैश्विक दर्शकों को पसंद आती है। हर हस्तनिर्मित कला के पीछे छिपी कहानी को सामने लाने का प्रयास भी इसमें शामिल है। जैपोर कई कला रूपों का संरक्षण कर रहा है, जिनमें डोकरा एक अनोखी और प्राचीन कला है, जिसे खासतौर से छत्तीसगढ़ के कोंडागांव के घडवा समुदाय द्वारा संजोया और आगे बढ़ाया जा रहा है। डोकरा कला, जो 4000 साल पुरानी धातु ढलाई की तकनीक है, में लॉस्ट-वैक?स प्रोसेस का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में पहले वैक्स (मोम) से एक मॉडल बनाया जाता है, जिसे मिट्टी की परत से ढका जाता है और फिर वैक?स को पिघलाया जाता है। इसके बाद बने सांचे में पिघली हुई धातु भरी जाती है। जब सांचा ठंडा होता है और उसे तोड़ा जाता है, तो हमें एक अनोखा पीस मिलता है, जिसमें पारंपरिक कारीगरी की सुंदरता बसी होती है। इन डिजाइन में पेचीदगी होती है और वे प्रकृति, पुराणों और ग्रामीण जीवन से प्रेरणा लेते हैं। हर पीस अपने कारीगर की कुशलता और सांस्कृतिक धरोहर की कहानी कहता है। घडवा समुदाय पीढ़ियों से इस कला को संजोए हुए है, और उनके समर्पण की वजह से ही यह परंपरा आज तक जीवित है। लेकिन अन्य पारंपरिक कलाओं की तरह डोकरा भी आधुनिक बाजारों में अपनी जगह बनाने में संघर्ष कर रही है। कारीगरों को स्थानीय बाजारों पर निर्भर रहना पड़ता है, और उन्हें लगातार ऑर्डर और सही दाम मिलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जैपोर का साथ मिलना उनके लिए बदलाव लेकर आया है।

विरार-नालासोपारा लिंक रोड : यात्रा में तेजी और सुविधा की नई दिशा : क्षितिज ठाकुर

वसई (उत्तरशक्ति)। विरार महानगरपालिका क्षेत्र में विरार और नालासोपारा रेलवे स्टेशनों के बीच बने लिंक रोड से अब इन दोनों स्टेशनों के पश्चिमी इलाके पहले से और करीब आ गए हैं। महानगरपालिका ने इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ है और यात्रा पहले से अधिक सुगम हो गई है। तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए विधायक क्षितिज ठाकुर की पहल पर कई सड़कें और रिंग रोड प्रस्तावित किए गए हैं। इस लिंक रोड से शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था को भी बढ़ावा मिला है। आज इस सड़क का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। कामकाजी लोग, महिलाएं, स्कूल-कॉलेज के छात्र, और सब्जी मंडी के व्यापारी इस सड़क से आसानी से यात्रा कर रहे हैं। रिक्शा चालकों ने भी इस सड़क के निर्माण पर संतोष व्यक्त किया है। पहले, इन दोनों स्टेशनों के पश्चिमी हिस्से में आने-जाने के लिए बोलिंज मार्ग से घूमकर जाना पड़ता था, जिससे अधिक समय लगता था और शाम के वक्त अक्सर जाम की समस्या होती थी। अब इस सीधी और चौड़ी सड़क के बनने से यातायात तेज हो गई है, साथ ही ईंधन की भी बचत हो रही है। विरार पश्चिम के जकात नाका से शुरू होकर नालासोपारा पश्चिम के लक्ष्मीबेन छेड़ा मार्ग पर समाप्त होने वाला यह लिंक रोड म्हाडा कॉलोनी और अन्य रिहायशी इलाकों से होकर गुजरता है। वसई-विरार शहर के दोनों रेलवे स्टेशनों के बीच विधायक क्षितिज ठाकूर की संकल्पना के तहत बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। नए लिंक रोड के निर्माण से शहर की आंतरिक यातायात में गति आई है, जिससे नागरिकों को यात्रा करने में अधिक सुविधा मिल रही है। यह लिंक रोड न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्र में विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगा।